झरोखा

भाग – 1

(सेतु पाठ्यक्रम पर आधारित हिंदी की पाठ्यपुस्तक)

स्तर – I

कक्षा – 2 एवं 3

2022

शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली–110024

ISBN: 978-93-85943-30-0

प्रथम संस्करण: 2015

मार्च, 2022 (संशोधित संस्करण)
© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
3200 Copies

प्रकाशन:

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 110024

मुद्रक:-

मैसर्स राज प्रिंटर्स

ए-9, सैक्टर बी-2, ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

Rajanish Singh
Director

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356, Fax : +91-11-24332426
E-mail : dir12scert@gmail.com

Date : 22/3/22

D.O. No. : F.10(1)/2021/DIR/SCERT/421

सन्देश

शिक्षा सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है। अच्छी शिक्षा सदैव बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है। यह बच्चों को ज्ञानात्मक सूचनाएं प्रदान करने के साथ बच्चे के मानसिक, शारीरिक और आत्मिक स्तर को सुधारने में भी मदद करती है। शिक्षा प्राप्ति में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

इसी को ध्यान में रखकर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के विद्यार्थियों के लिए 18 पाठ्य-पुस्तकों का निर्माण किया है। इन पाठ्य-पुस्तकों का मुख्य उद्देश्य यह है कि 'बच्चे विद्यालय में एवं विद्यालय के बाहर सीखने के लिए प्रोत्साहित हों और उनमें आत्मविश्वास की भावना जागृत हो।' बच्चों की आवश्यकतानुसार इन पुस्तकों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किये गए है जिससे बच्चों को सरलता एवं रोचकता का अनुभव होगा।

आशा है यह पठन सामग्री बच्चों का मार्गदर्शन कर उनके समग्र विकास में मदद करेगी।

(रजनीश सिंह)

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

Dr. Nahar Singh
Joint Director (Academic)

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : 22/03/2022

D.O. No. : F.11(2) JDG/Acad/Misc./SCERT/2021-22/2187

सन्देश

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है। इसी कानून की धारा 4 के अनुसार विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षा लेने का अवसर प्रदान कर उन्हें आयु अनुसार कक्षा के उपयुक्त बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के अनुसार प्रत्येक 3 से 18 आयु वर्ग के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण व समतामूलक शिक्षा प्रदान करने का पूर्ण दायित्व राज्य सरकार का है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों में साक्षरता और संख्या ज्ञान जैसी 'बुनियादी क्षमताओं' के साथ-साथ 'उच्चतर स्तर' की तार्किक और समस्या-समाधान संबंधी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास करने पर बल देने के साथ-साथ शिक्षार्थियों के सभी जीवन पक्षों और क्षमताओं के संतुलित विकास पर भी ज़ोर देती है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा विशेष प्रशिक्षण केंद्र (एस. टी.सी.) के विद्यार्थियों हेतु जिस शिक्षण-अधिगम सामग्री को विकसित किया गया था, उनमें नई शिक्षा नीति के आधार पर छात्रों के समग्र विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सुधार किये गए हैं। इससे बच्चों का सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास होगा जिसके द्वारा बच्चों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर उन्हें परिष्कृत नागरिक बनाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निहित लक्ष्यों के संदर्भ में पाठ्य-पुस्तक को आदर्श बनाने के लिए सभी शिक्षकों का धन्यवाद्।

मुझे पूर्ण आशा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निमित उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कक्षा स्तरीय, पाठ्य पुस्तकें विशेष प्रशिक्षण केंद्रों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होंगी।

सभी बच्चों के लिए मेरी शुभकामनायें।

(डॉ नाहर सिंह)

प्राक्कथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्यापक उद्देश्यों के संदर्भ में नैतिकता, तर्कसंगतता, सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ 21वीं सदी के लिए अनिवार्य कौशलों में महारत हासिल करना वास्तव में महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं सतत विकास एजेंडा 2030 सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता-युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढावा दिये जाने के व्यापक लक्ष्य के साथ आज हमारे सामने है। इस नीति के जरिये स्कूल स्तर पर शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किये गए है। विद्यालय की वर्तमान रूपरेखा 5+3+3+4 के आधार पर तैयार की गयी है जिसमें 12 साल की स्कूली शिक्षा और 3 वर्ष की आंगनवाड़ी/प्री-स्कूलिंग को शामिल किया गया है। नीति में यह परिकल्पना की गई है कि विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को जल्द से जल्द शैक्षिक क्षेत्र में वापस लाना और छात्रों को स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए 2030 तक, पूर्वस्कूली शिक्षा से माध्यमिक स्तर तक 100% सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 4 के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षा ग्रहण करने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य उन्हें आयु-अनुसार कक्षा के अनुरूप शैक्षिक एवं बौद्धिक स्तर पर तैयार करना है। इसी लक्ष्य की प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में ज्ञानार्जन करने वाले विद्यार्थियों के लिए विकसित पाठ्यपुस्तकों में आवश्यक सुधार किए हैं जिससे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, द्वारा विकसित पाठ्यक्रम पर आधारित इन पुस्तकों का निर्माण अति सरल भाषा का प्रयोग करते हुए किया गया है। इन पाठ्य पुस्तकों को पाठ्यक्रम के अनुसार मूल रूप में ही रखा गया है जिसमें चार स्तर हैं। प्राथमिक कक्षाओं के लिए स्तर एक एवं स्तर दो तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए स्तर तीन एवं स्तर चार हैं। प्राथमिक स्तर पर चार विषय (हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन) की पुस्तकें एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर पाँच विषय (हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक अध्ययन एवं विज्ञान) की पुस्तकों का निर्माण किया गया है।

मैं इन पुस्तकों के निर्माण एवं पुनरीक्षण में योगदान देने वाले समस्त शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। मैं आशा करती हूँ कि ये पाठ्यपुस्तकें विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। ये पुस्तकें केंद्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का समग्र विकास करने में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी।

पुस्तकों में सुधार हेतु आपके अनमोल सुझाव सदैव वांछनीय हैं।

डॉ बिंदु सक्सेना
असिस्टेंट प्रोफेसर
विज्ञान विभाग
पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र संभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली

शिक्षकों के लिए सुझाव

1. प्रत्येक पाठ में दिए गए निर्देशों का उपयोग करें। संभव हो तो एक पाठ के निर्देश अन्य पाठों में भी इस्तेमाल करें।

2. जिन प्रश्नों के साथ लिखने की जगह नहीं है, वे कक्षा में चर्चा करने के लिए हैं। यदि कोई बच्चा इस स्तर पर पहुँच गया है कि उनके उत्तर लिख सकता है तो कॉपी में उन प्रश्नों के उत्तर लिखवाए जा सकते हैं।

3. प्रारंभ में बच्चे अनुमान और आपकी सहायता से लिखेंगे। उनके उत्तर अलग-अलग और स्पष्ट हो सकते हैं। यह सीखने की प्रक्रिया का एक पड़ाव-भर है। इससे चिंतित न हों। धीरे-धीरे बच्चे प्रगति करेंगे।

4. कुछ रचनाओं के साथ अभ्यास नहीं दिए गए हैं। ये स्व-अध्ययन के लिए हैं। आप चाहे तो उपयुक्त समय पर इनसे संबंधित अभ्यास स्वयं भी बना सकते हैं और बच्चों से भी बनवा सकते हैं।

5. कविताएँ-कहानियाँ रटवाने या याद करवाने के लिए नहीं हैं बल्कि बातचीत करने ओर भाषा सीखने का माध्यम हैं। हो सकता है किसी कविता या कहानी से शुरू में बच्चा केवल एक शब्द सीखें। इसलिए इन्हें जितनी बार चाहे, उतनी बार इस्तेमाल करें। बार-बार सुनें और सुनाएँ।

6. दी गई गतिविधियों का उद्देश्य भाषायी कौशलों का विकास है। इसलिए केवल कुछ बनवाकर गतिविधि को छोड़ न दें। उसका संबंध शब्दों, वाक्यों से जोड़े। जैसे, नाव बनवाकर उसपर 'नाव' शब्द लिखवाना।

7. सभी बच्चे सीखने के अलग-अलग स्तर पर होंगे इसलिए ज़रूरी नहीं है कि हर बच्चे से हर अभ्यास करवाया जाए। उनके स्तर के अनुसार अभ्यासों का चयन करें। यदि बच्चा एक शब्द में भी उत्तर लिखता है तो यह प्रशंसनीय है।

संरक्षक

श्री एच. राजेश प्रसाद - प्रधान सचिव (शिक्षा), दिल्ली
श्री रजनीश सिंह - निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

शैक्षणिक सलाहकार

डॉ. नाहर सिंह - संयुक्त निदेशक(शैक्षिक), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

पुस्तक निर्माण समिति

नोडल अधिकारी/समन्वयक

डॉ. शारदा कुमारी - वरिष्ठ प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर.के. पुरम्
लक्ष्मी पाण्डेय - प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर.के. पुरम्

लेखक समूह

अक्षय कुमार दीक्षित - अध्यापक, सर्वोदय विद्यालय फतेहपुर बेरी, नई दिल्ली
डॉ. उषा शर्मा - एसो. प्रोफेसर, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
तनु श्री घई - अध्यापिका, प्रेसीडियम विद्यालय, अशोक विहार, दिल्ली
वीरेन्द्र कुमार चन्दोरिया - असिस्टेंट-प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. सुनीता मिश्रा - असिस्टेंट-प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ एवं इक्नोमी, दिल्ली

पुस्तक पुनरीक्षण समिति (2021-22)

डॉ. बिंदु सक्सेना (नोडल अधिकारी) - असिस्टेंट प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
सहयोगकर्ता - सुश्री भगवती, बी.आर.पी., राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

पुनरीक्षण समूह

डॉ. कुमकुम भारद्वाज - असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दिलशाद गार्डन दिल्ली।
डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय - प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कड़कड़डूमा, दिल्ली।
डॉ. ममता यादव - प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कड़कड़डूमा, दिल्ली।

प्रकाशन अधिकारी

डॉ. मुकेश यादव - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

प्रकाशन समूह

श्री नवीन कुमार - एससीईआरटी, दिल्ली
सुश्री राधा - एससीईआरटी, दिल्ली
सुश्री नेहा रिज़वाना - बी.आर.पी., एससीईआरटी, दिल्ली
सुश्री फ़ोज़िआ - बी.आर.पी., एससीईआरटी, दिल्ली

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1	आम की कहानी	01
2	तीन खरगोश	09
3	साथी के साथ	12
4	दो मित्र	16
5	मिठाई	20
6	भालू ने खेली फुटबॉल	26
7	चकई के चकदुम	30
8	मैं भी....	35
9	डरी चींटियाँ	42
10	पकौड़ी	44
11	चार चने	46
12	क्या ये मेरा मामा है	47
13	बस के नीचे बाघ	52
14	चींटी ने दौड़ लगाई	60
15	बतुता का जूता	67
16	ऊँट चला	68
17	बहुत हुआ	75
18	मकड़ी-मकड़ी-लकड़ी	80
19	मैं कौन?	82
20	जामुन	89
21	एक यात्रा ऐसी भी	94

आम की कहानी 1

एक चित्रकथा।

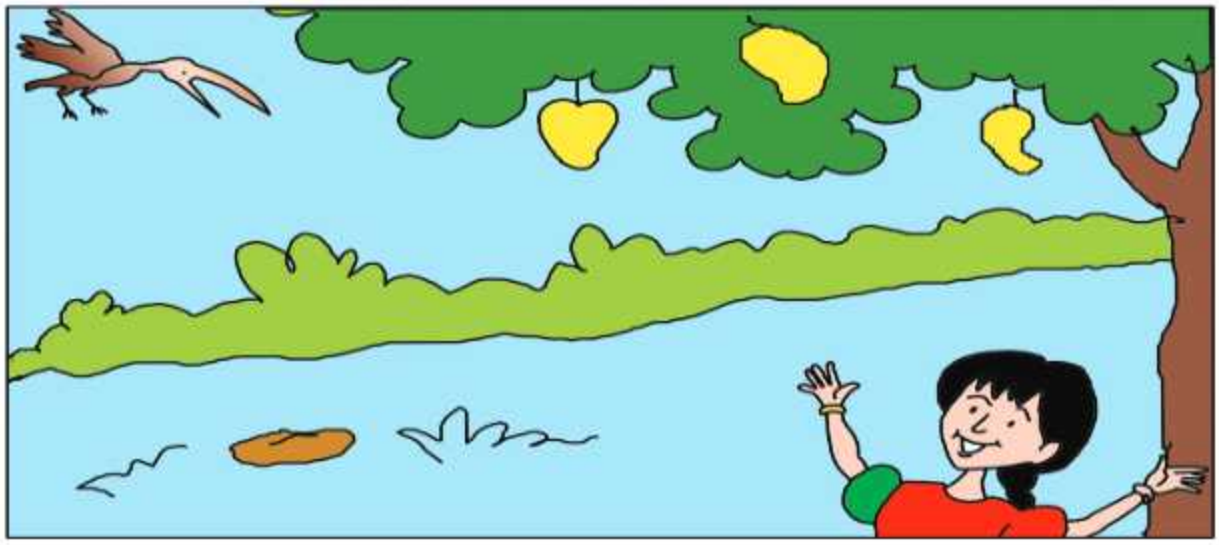

1. शिक्षक बच्चों से चित्रों पर बातचीत करें
2. शिक्षक बच्चों से कहानी बनवाएँ - सुनाएँ।
3. शिक्षक बच्चों से शीर्षक पर ध्यान दिलवाएँ।
4. शिक्षक बच्चों के सुझावों, बातों को कहानी में शामिल करें, जैसे पात्रों के नाम।
5. शिक्षक बच्चों को बोलने/प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करें।
6. शिक्षक बच्चों को चित्रों में लिखने के लिए प्रेरित करें। जैसे - नाम, रंग।

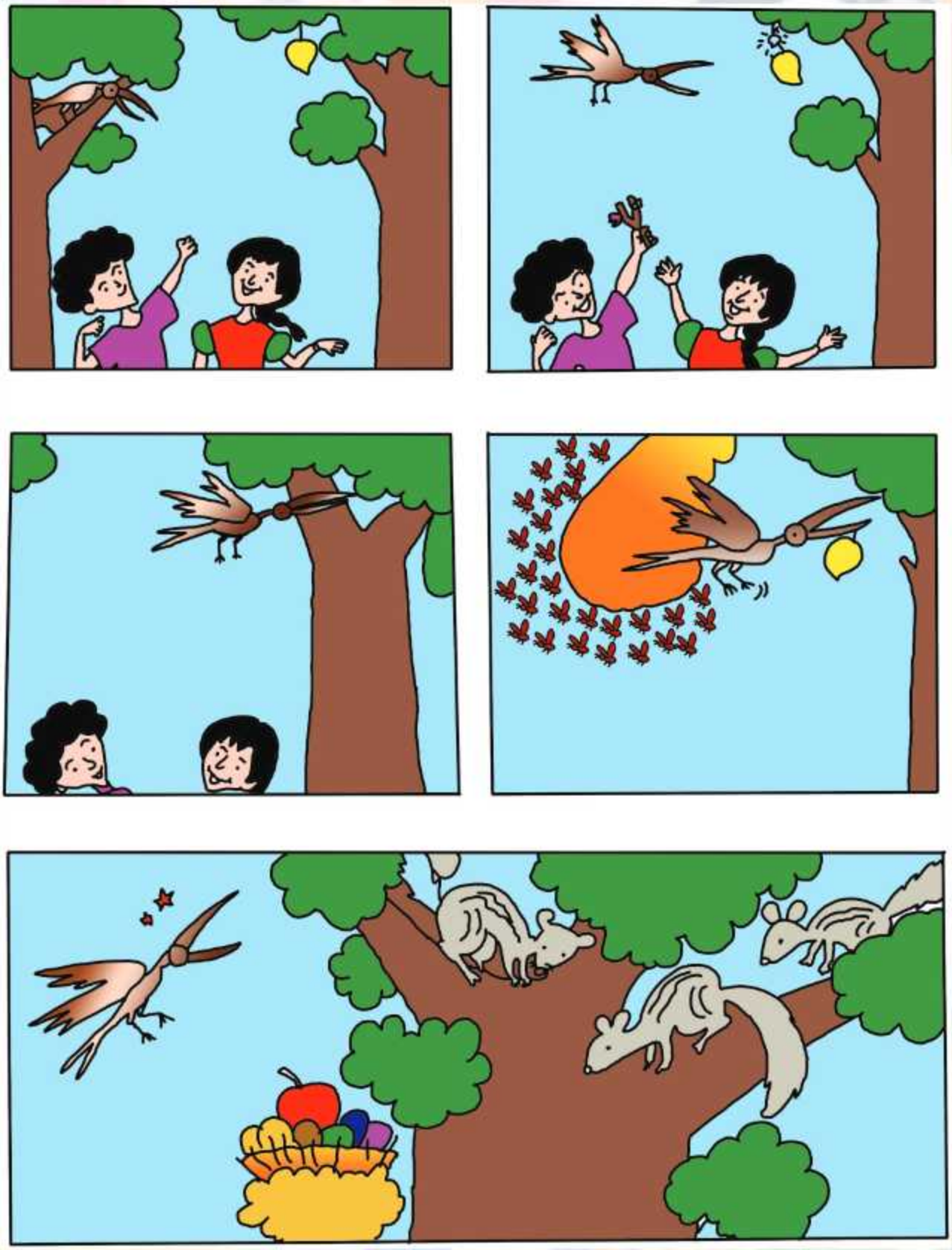

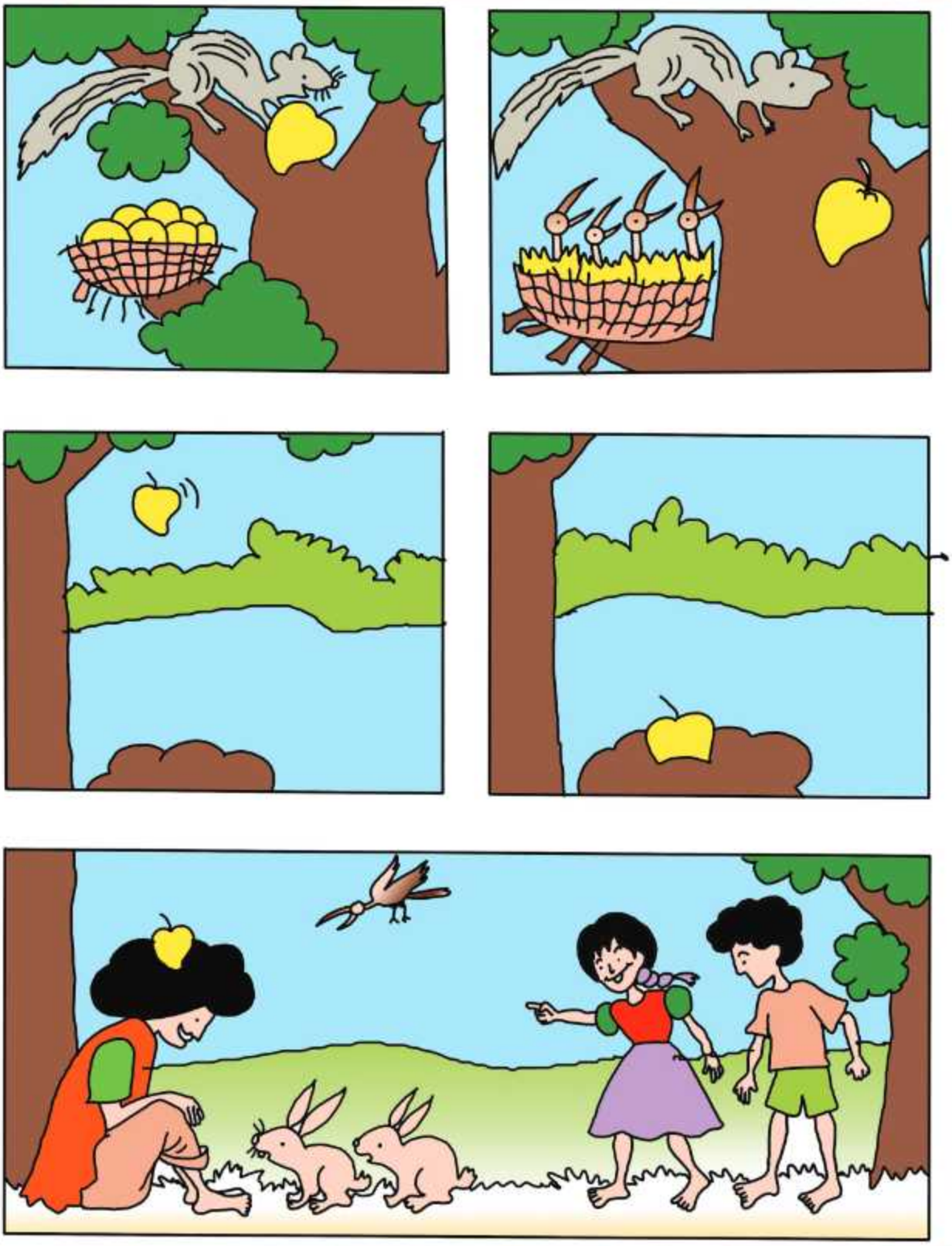

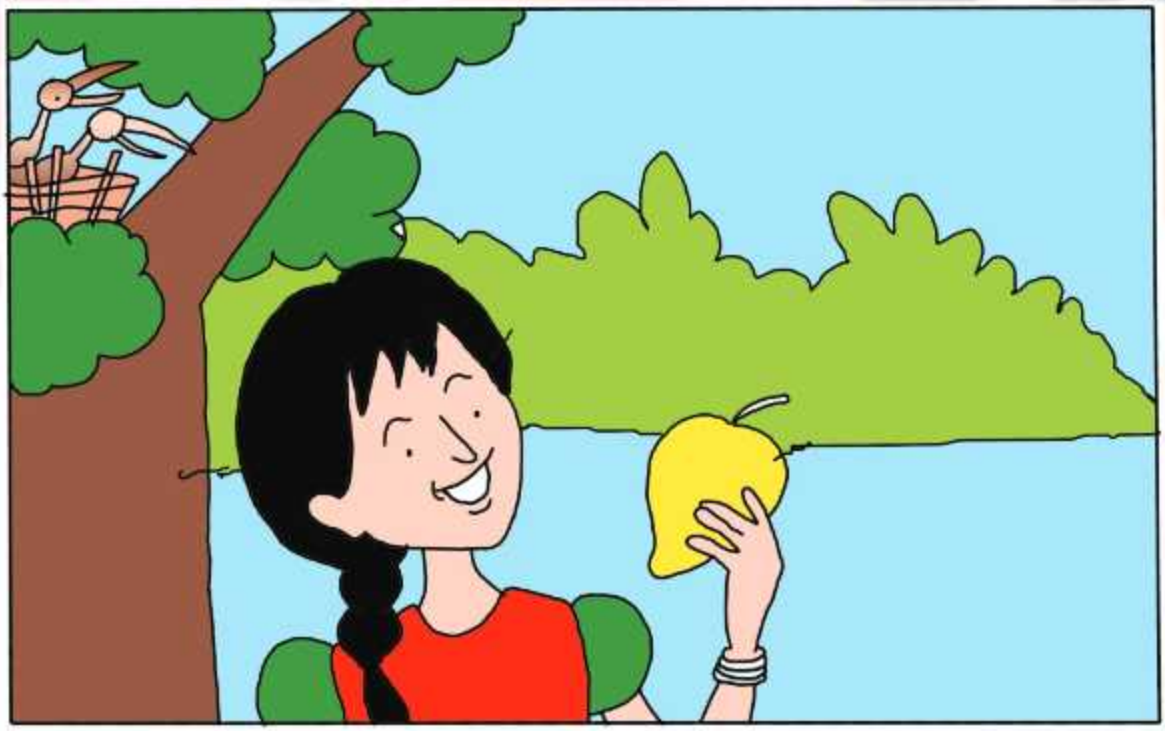

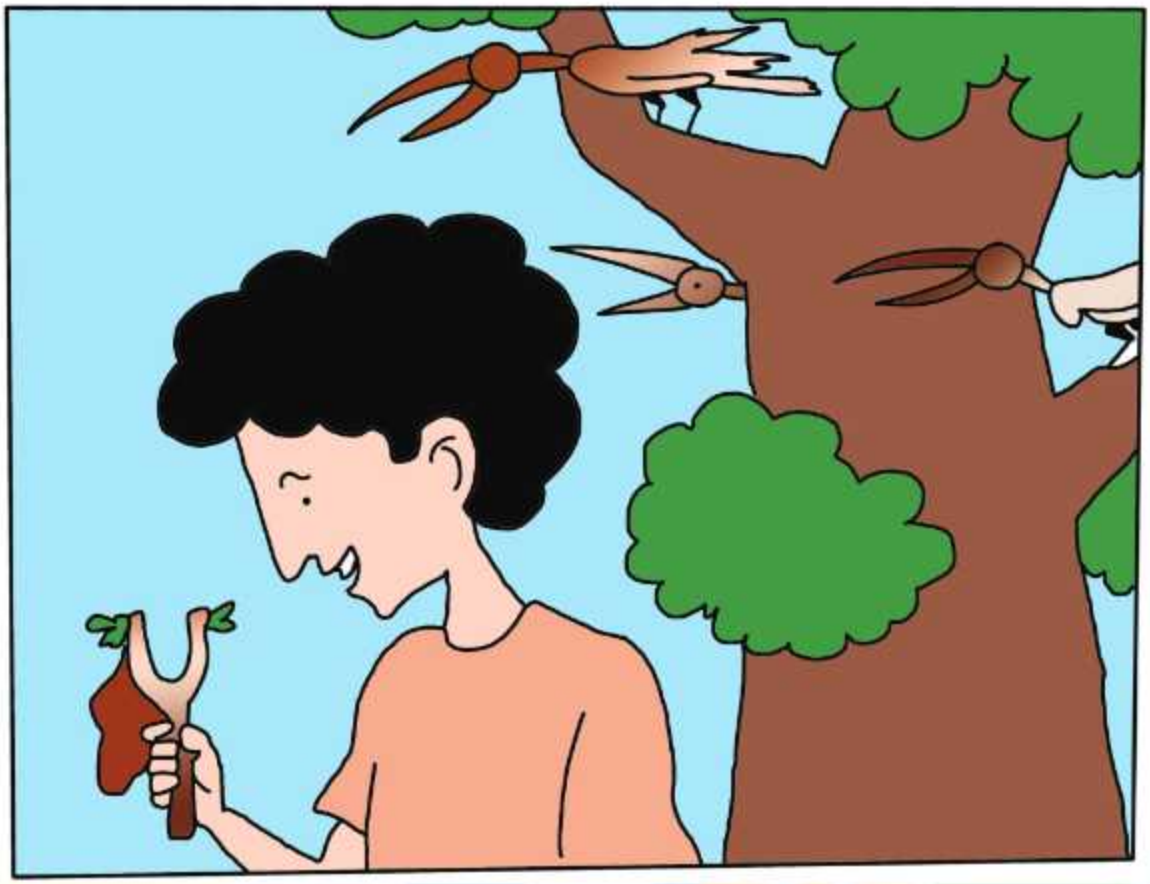

स्तर 1

1. इस चित्रकथा की कहानी सुनाइए।
2. इस चित्रकथा में से अपनी पसंद का कोई एक चित्र चुन कर बताइए। बताइए कि इस चित्र में क्या हो रहा है?
3. नीचे दिए गए पेड़ पर आठ आम बनाइए -

4. नीचे जहाँ-जहाँ आम लिखा है, उनके नीचे सीधी रेखा खींचिए-

आम	अनार	आमदनी	आदमी	आम
अदरक	आधा	आम	अमीर	आम

5. पढ़िए–

आम

आ	म
आदमी	मछली
आरी	मन
आसमान	मज़दूर
आधा	मगर

6. जोड़िए–

कहानी	क
कबूतर	ख
कमल	ग
कमीज़	घ
कसरत	

7. अपने मन से इनके नाम लिखिए–

....

8. बताइए, इनमें से कौन कहानी में नहीं था?

9. आपको इस कहानी में कौन और क्यों सबसे अच्छा लगा? बताइए।

10. क्या इस कहानी के आख़िर में लड़की को आम मिल जाता है? बताओ, उसके बाद क्या हुआ होगा?

11. कहानी में कौन पहले आया और कौन बाद में? ठीक क्रम में लगाइए।

आम	लड़का	कौआ	मधुमक्खी	पगड़ी	गिलहरी	खरगोश

12. इस चित्रकथा के पहले चित्रों को ध्यान से देखिए। अब बिना चित्र को देखे लिखिए कि उस चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दिया।

13. बिना देखे बताइए कि लड़की और लड़के ने क्या-क्या पहना हुआ था?

लड़के ने -

लड़की ने -

14. आम के पेड़ का चित्र बनाइए तथा रंग भरिए।

15. इनमें से आप किन-किन को पहचान सकते हैं? बोलकर बताइए-

उ	आ	ई	ओ	ऊ	ऐ	अ
औ	ए	ई				

तीन खरगोश 2

नीचे दिये गए चित्र को देखकर कहानी सुनाइए।

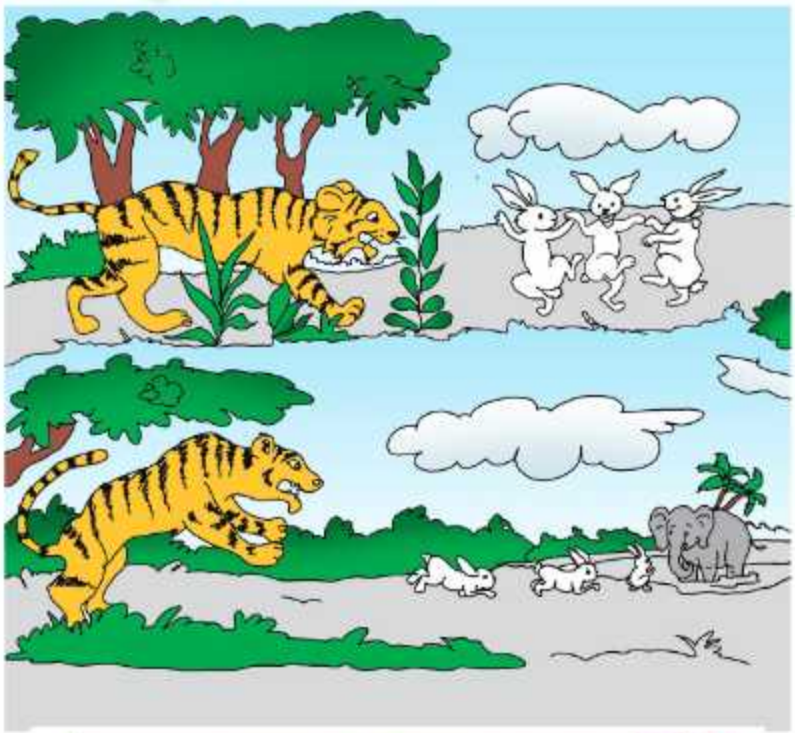

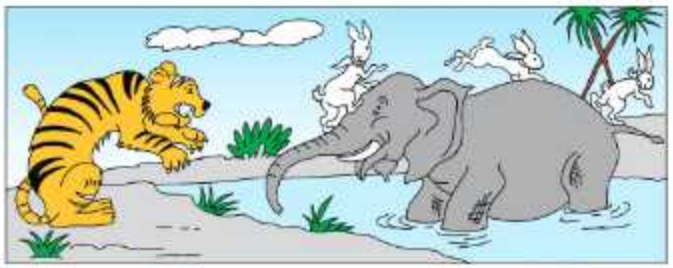

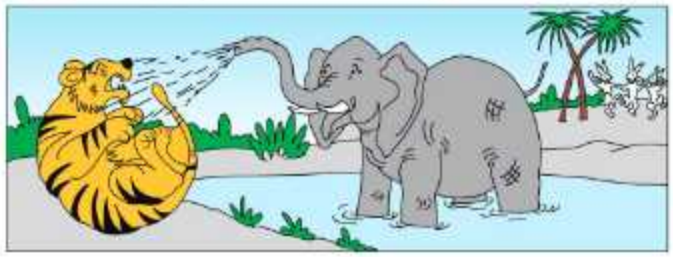

1. **लिखिए-**

एक दो तीन चार।

....

2. **पढ़िए-**

एक था।

एक था।

एक था।

[ ] ने [ ] पर पानी डाल दिया

3. **भरिए** [शेर हाथी खरगोश]

एक ..... था।

एक ..... था।

एक ..... था।

4. **जोड़िए-**

हाथी	शेर	खरगोश
शे हा	र गो	थी ख

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

साथी के साथ

3

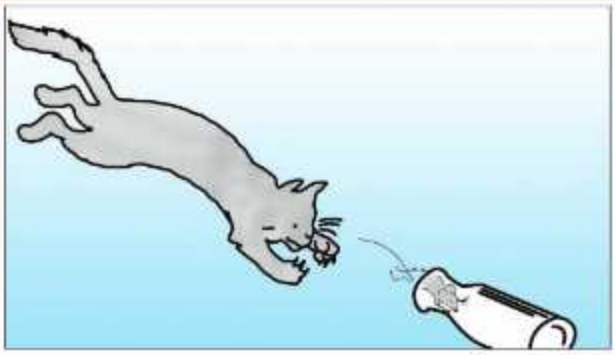

एक बार बिल्ली के चंगुल से चूहा निकला बचकर

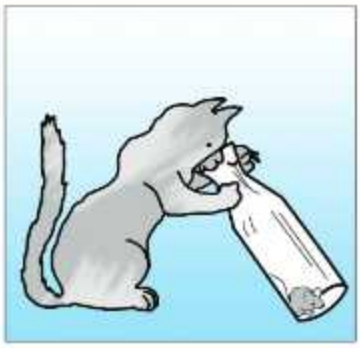

शोर मचाने, ज़ोर दिखाने से भी क्या हो जाता

बिल्ली बार-बार मिमियाई,

पंजे झटके, पटका सिर

एक उस म्याऊँ-म्याऊँ से भी बिगड़ी बात बनी क्या

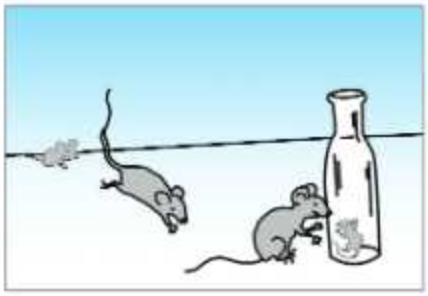

उस चूहे की जान बचाने सब चूहे आए बढ़कर

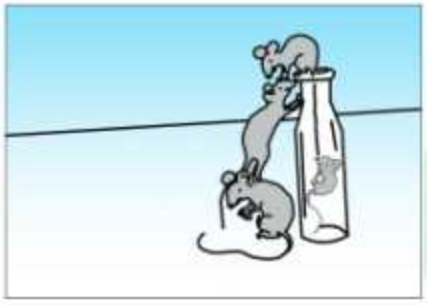

पहुँचे वे बोतल के मुँह तक एक दूसरे पर चढ़कर

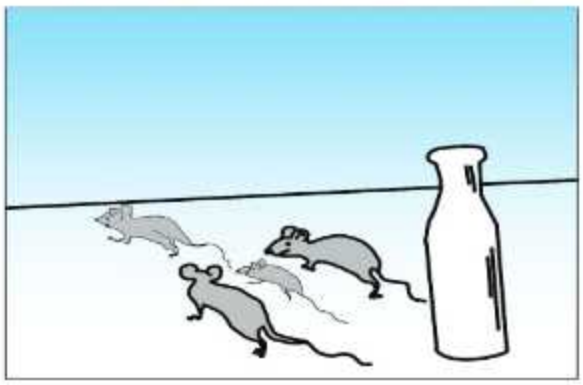

बाहर आने में चूहे को कुछ भी नहीं लगी तब देर

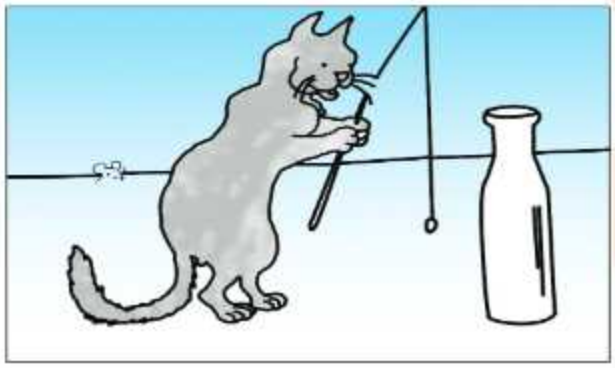

जाते-जाते वे सब बोले, ''मौसी, कहाँ लगायी देर?''

1. **लिखिए।**

चूहा चूहे जूता .....

बकरा ..... पत्ता .....

कुत्ता ..... कपड़ा.....

घोड़ा ..... पैसा .....

गधा ..... रस्सा .....

2. **बिल्ली के शरीर के भागों के नाम लिखिए।**

3. बोतल काँच से बनती है। काँच से और क्या-क्या बनता है? लिखिए और किसी एक का चित्र बनाइए।

.....

4. मिलते-जुलते शब्द लिखिए-

शोर ज़ोर ....

5. चूहे गिनकर लिखिए-

.....

6. ँ या ं लगाइए-

पंजा	कहाँ
चाद	माद
वहा	पख
चगुल	अगुल
मा	मदिर

7. **पढ़िए-**

बचकर चलकर रखकर

कसकर तलकर बनकर

हटकर चरकर पढ़कर

8. **लिखिए -**

बच..... च..... च..... र.....

ब..... त..... ह..... प.....

9. **पूरा कीजिए-**

बो ..... बो.....

10. **पढ़िए-**

साथ सा थ

सात थन

साल थक

दो मित्र 4

1. चित्रों को नाम से जोड़िए।

साँप बंदर फल

2. **फल किसने खाया? उस पर गोला बनाइए-**

बंदर शेर साँप

बकरी फल सपेरा

3. **पढ़िए और लिखिए-**

एक था बंदर। एक था साँप।

.....

.....

4. **देखिए, समझिए लिखिए-**

लटक लटका रगड़ .....

पटक ..... बहक .....

मटक ..... महक .....

भटक ..... चहक .....

सटक .....

5. **साथ-साथ कौन रहते हैं? जोड़े बनाइए-**

सुई जुराब

जूते पैंट

कमीज धागा

चकला बेलन

कॉपी किताब

6. **साँप लंबा होता है। लंबी चीज़ों पर गोला लगाइए-**

साँप	बेलन	पाइप	सेब
रस्सी	कटोरी	थाली	पेड़
चूड़ी	पीपा	पेंसिल	लड्डू

7. **पढ़िए।**

एक	दो	तीन	चार	पाँच
एड़ी	दस	तन	चल	पर
कमर	दम	नल	रस	चल

8. **मिलते-जुलते शब्द लिखिए-**

साँप	भाँप	काँप
बंदर	.....	.....
फल	.....	.....

9. **कौन-सी बात सही है?**

i) साँप और बंदर मित्र थे।

ii) साँप और बंदर लड़ते थे।

iii) साँप और बंदर झगड़ते थे।

iv) साँप और बंदर डरते थे।

10. **शब्द बनाइए-**

फ	सा	र	ल	द	प	ब

....

....

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

मिठाई

5

एक दिन गधे का मन मीठा खाने का हुआ।

गधे ने दोस्तों से कुछ मीठा खाने को माँगा।

भालू ने कहा – शहद खा लो।

गधे ने मना कर दिया।

खरगोश ने कहा – गाजर खा लो।

गधे ने मना कर दिया।

चींटे ने कहा – गुड़ खा लो।

गधे ने मना कर दिया।

हाथी ने कहा – गन्ना खा लो।

गधे ने मना कर दिया।

कहानी में से

(क) किसने कहा–

- ❖ शहद खा लो।
- ❖ गुड़ खा लो।
- ❖ आम खा लो।
- ❖ गाजर खा लो।

(ख) गधे को किसकी बात पसंद आई?

(ग) गधे ने दोस्तों से खाने को क्या माँगा?

मन की बात

एक दिन गधे का मन मीठा खाने को हुआ। आपका मन क्या-क्या खाने को होता है? उनकी तस्वीर बनाकर नाम लिखिए।

नीचे दिए गए किन कामों को आप मन से करेंगे? '√' निशान लगाइए –

- ❖ कार्टून देखना ☐
- ❖ कहानी सुनना ☐
- ❖ खेलना ☐
- ❖ पढ़ना ☐
- ❖ पौधों को पानी देना ☐
- ❖ अपना रूमाल धोना ☐
- ❖ बाज़ार से सामान लाना ☐

गधे का मीठा खाने का मन था। तुम उससे क्या खाने को कहते हो और क्यों?

.....

.....

दुकान ही दुकान

1. मिठाई हलवाई की दुकान पर मिलेगी। बताइए, वहाँ कौन-कौन-सी मिठाइयाँ होंगी?
2. सभी मिठाई लेने हलवाई की दुकान पर जाते हैं। आप इन चीज़ों के लिए कहाँ जाएँगे–
   - ❖ कपड़े सिलवाने
   - ❖ सब्ज़ी खरीदने
   - ❖ दूध खरीदने

शब्दों की दुनिया

1. **नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए और सही खाने में लिखिए। साथ ही चार-चार शब्द और लिखिए–**

   सिल, मीठा, दुकान, भालू, चूहा, चींटा, सुनार, किला

इ (ि)	ई (ी)	उ (ु)	ऊ (ू)
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

क्या होता अगर

- ❖ गधे का कुछ खट्टा खाने का मन होता?
- ❖ गधे का कुछ नमकीन खाने का मन होता?
- ❖ हलवाई की दुकान बंद होती?

सुनाओ कहानी

गधे ने अपनी माँ को यह कहानी कैसे सुनाई होगी?

सुनाइए और लिखिए-

.....

.....

.....

.....

कितनी बार

❖ 'मिठाई' कहानी में 'गधा, गधे' शब्द कितनी बार आया है?

.....

❖ कहानी में कौन-सी बात कई बार आई है? कितनी बार आई है? गिनकर लिखिए-

.....

कौन-कैसे?

'सब मिठाई खाने चल पड़े'। अपनी कल्पना से लिखिए कौन सा पशु कौन सी मिठाई खायेगा?

गधा .....

खरगोश .....

बिल्ली .....

गिलहरी .....

भालू .....

हाथी .....

इस चित्र में कहानी का कौन-सा पात्र नहीं है? उस पर '√' का निशान लगाइए।

बताइए और रंग भरिए

कहानी की जो बात आपको सबसे अच्छी लगी, उसका चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

पहचानो

एक	ए	क	गधा	ग	धा
	एड़ी	कबूतर		गमला	धागा
	केला	कमल		गला	धारा
	मेला	कलम		गरदन	धान
	चेला	कसरत		ग	धा
	केले	कमीज़			
	मेले	करतब			
	चेले	कल			
	ए	क			

भालू ने खेली फुटबॉल 6

सर्दी का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आँखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई—अहा फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को। हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाली पकड़ ली।

मगर डाल छूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला।

दो बार....

तीन बार....

फिर

बार-बार यही होने लगा।

शेर के बच्चे को उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा।

बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

पहचानिए

भालू	सर्दी	जामुन	पेड़
शेर	बच्चा	साहब	आफत
गायब	मज़ा	थककर	बारह
एक	दो	तीन	चार

लिखिए-बोलिए-

भा	.....	.....	.....	.....
स	.....	.....	.....	.....
र	.....	.....	.....	.....
जा	.....	.....	.....	.....
न	.....	.....	.....	.....
प	.....	.....	.....	.....
ब	.....	.....	.....	.....
थ	.....	.....	.....	.....
त	.....	.....	.....	.....

जिन्हें पहचानते हो, उन पर घेरा बनाइए-

अ	ए	इ	ओ	उ	अं
आ	औ	ई	ऐ	ऊ	
क	च	ट	ड	ड़	
झ	ख	छ	ढ	च	
ठ	ढ़	ग	ज	छ	
ज	त	थ	छ	झ	
द	न	भ	फ	य	
ध	म	प	ब	र	
ल	स	ह	श	व	

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

चकई के चकदुम 7

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
गाँव की मड़ैया, साथ रहें हम-तुम।
चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
ग्वाले की गैया, दूध पिएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
कागज़ की नैया, पार करें हम-तुम।
चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
फुलवा की बगिया, फूल चुनें हम-तुम।
चकई के चकदुम, चकई के चकदुम!
खेल खतम भैया! आओ चलें हम-तुम!

गाओ-गुनगुनाओ

'चकई के चकदुम' कविता को अपने दोस्तों के साथ गाओ-गुनगुनाओ।

क्या चाहिए? चित्र बनाइए और नाम लिखिए-

नदी पार करने के लिए ..... बारिश से बचने के लिए .....

दूध पीने के लिए ..... फूल चुनने के लिए .....

ढूँढकर बताओ

'चकई' शब्द में 'कई' शब्द छिपा है।

'चकदुम' शब्द में 'दुम' शब्द छिपा है।

इन शब्दों में छिपे शब्द खोजकर लिखिए–

कलमकारी	छतरी	लालटेन	कपड़ा	छिपकली
.....	.....	.....	.....	.....

चकई के चकदुम

'चकई के चकदुम' की तरह लय वाले शब्द बनाइए–

चकई के चकदुम

मकई के मकदुम

..... के .....

..... के .....

..... के .....

..... के .....

समान लय

दिए गए शब्दों की समान लय वाले शब्द लिखिए–

पार चार .....

फूल ....

नैया ....

हम-तुम, तुम-हम

चकई के चकदुम, कवि बने हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

अम्माँ की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

.....

चकई .....

अब बनाकर देखो

पढ़िए और किसी एक का चित्र बनाइए-

कागज़ की नैया,
पार करें हम-तुम।

गाँव की मड़ैया,
साथ रहें हम-तुम

फुलवा की बगिया
फूल चुनें हम-तुम

क्या होगा?

क्या होगा अगर–

(i) कागज़ की नैया से नदी पार करें?

(ii) फूल चुनते समय माली आ जाए?

(iii) दूध दुहते समय गाय नाराज़ हो जाए?

(iv) खेलते समय बारिश आ जाए?

खोजो तो जानें!

कविता में कितने शब्द आए हैं–

(i) 'च' से शुरू होने वाले शब्द ....

(ii) 'ग' से शुरू होने वाले शब्द ....

आपकी भाषा में

आपकी भाषा में इन्हें क्या कहते हैं? लिखिए–

नाव .....

गाय .....

झोंपड़ी .....

बगीचा .....

पहचानिए-

चकई	च	क	ई
	चमचम	कल	ईख
	चरखा	कलम	ई
	चल	कमल	कील
	च	कमला	चील
			मील

मैं भी....

8

एक अंडे में से बत्तख का बच्चा निकला।
लो, मैं अंडे में से निकल आया बत्तख का बच्चा बोला।

एक और अंडे में से मुर्गी का चूज़ा निकला।
मैं भी आ गया–चूज़ा बोला।

मैं घूमने जा रहा हूँ– बत्तख का बच्चा बोला। मैं भी चलूँगा–चूज़ा बोला।
मैं गड्ढा खोद रहा हूँ– बत्तख का बच्चा बोला।

मैं भी खोदूँगा–चूज़ा बोला।

मुझे एक केंचुआ मिला–बत्तख का बच्चा बोला।
मुझे भी–चूज़ा बोला।

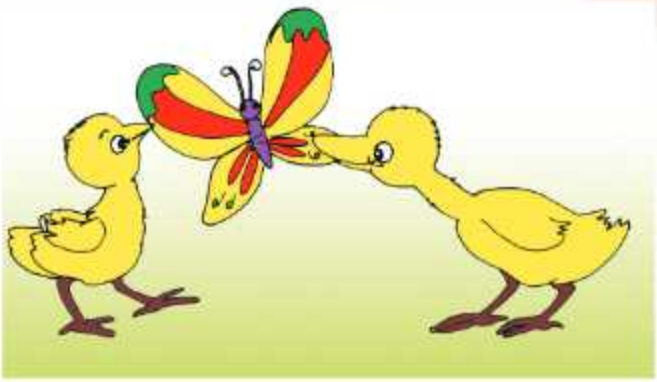

मैंने एक तितली पकड़ी–बत्तख का बच्चा बोला।
मैंने भी तितली पकड़ी–चूज़ा बोला।

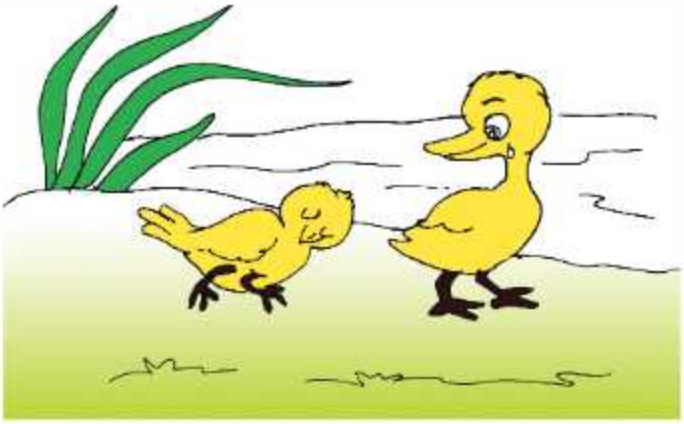

मैं तैरना चाहता हूँ–बत्तख का बच्चा बोला।
मैं भी–चूज़ा बोला।

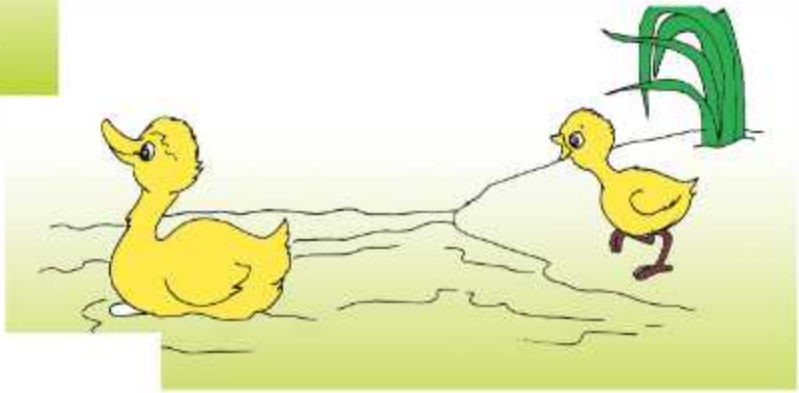

देखों मैं तैर रहा हूँ–
बत्तख का बच्चा बोला।

मैं भी तैरूँगा–
चूज़ा बोला।

बचाओ...चूज़ा डूबते हुए चिल्लाया।

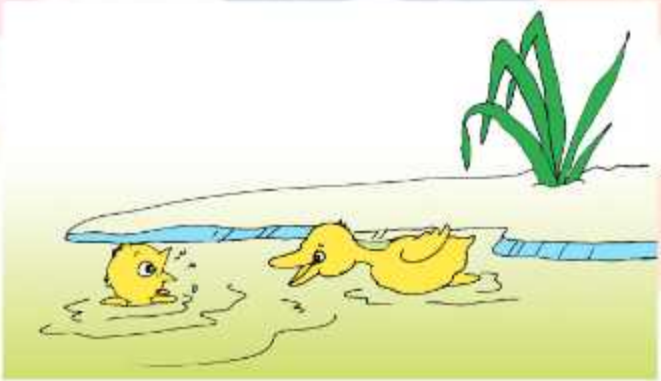

बत्तख के बच्चे ने चूज़े को पानी से बाहर निकाला।

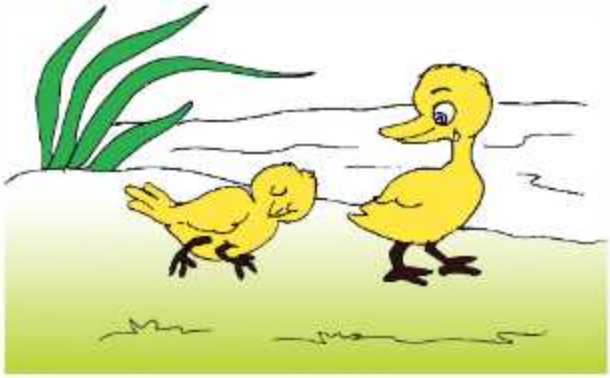

आगे क्या हुआ होगा?

बातचीत के लिए

1. चूज़ा पानी में क्यों डूबने लगा?
2. बत्तख के बच्चे ने चूज़े को पानी से बाहर कैसे निकाला होगा?
3. आप चूज़े के बच्चे को पानी से कैसे बाहर निकालते?
4. कहानी में आगे क्या हुआ होगा?
5. चूज़ा वही करता था जो बत्तख का बच्चा करता था। ऐसे लोगों को क्या कहते हैं जो दूसरों को देखकर वही काम करते हैं।
6. किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए जब आपने किसी की नकल की हो। तब क्या हुआ?

क्या देखा?

नीचे दिए गए चित्रों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए-

....

बच्चा-बच्चा

(क) दिए गए शब्दों को पढ़िए और बताइए इनमें क्या अंतर है–

बचा	बच्चा
पका	पक्का
पता	पत्ता
गदा	गद्दा

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों को सही शब्द से पूरा कीजिए–

(i) पेड़ से ..... गिरता है। (पता/पत्ता)

(ii) राजू ने ..... खरीदी। (गदा/गद्दा)

(iii) आदमी ने ..... पूछा। (पता/पत्ता)

(iv) पलंग पर ..... बिछा दो। (गदा/गद्दा)

(v) ..... ने ..... आम खाया। (बचा-बच्चे/पका-पक्का)

इन्हें क्या कहते हैं?

मुर्गी के बच्चे को चूज़ा कहते हैं। नीचे दिए गये चित्रों के नाम लिखिए-

1. .....

2. .....

3. .....

4. .....

5. .....

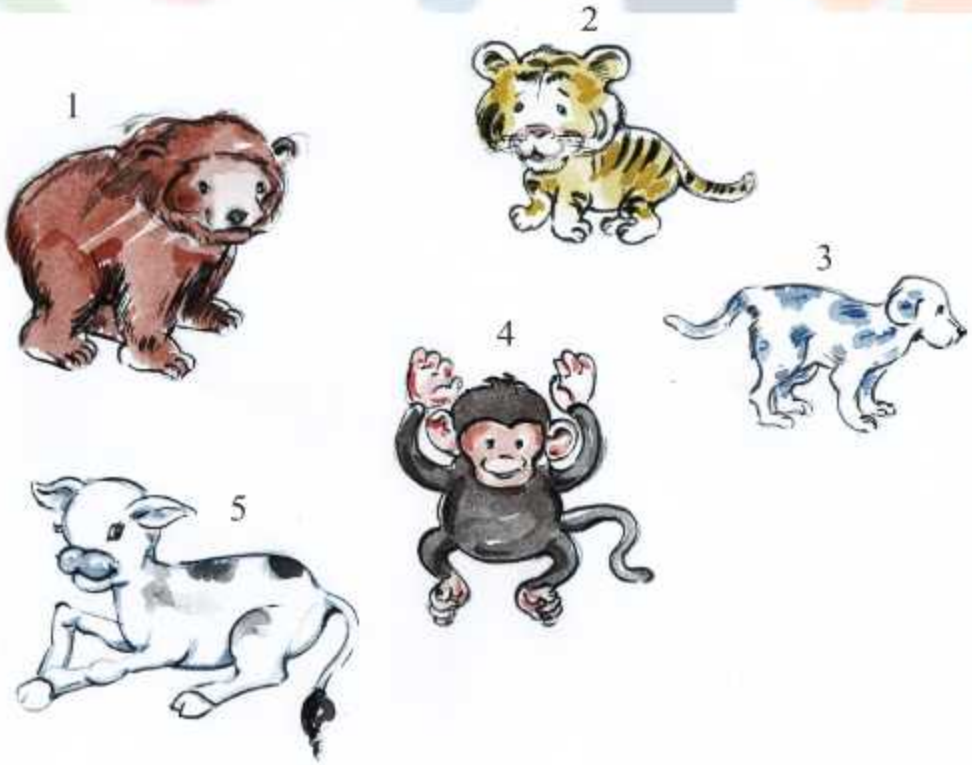

करके देखो और (√) निशान लगाओ

चीज़ें	डूबेगा	तैरेगा
चॉक		
पत्थर		
रूई		
कागज़		
टहनी		

पेंसिल

छीलनी

पढ़िए-

अंडा	बंदर	चंचल	संतरा
गंदा	रंग	तंग	संग

बिंदी लगाओ-

कघा	सुरग	अगूर	हस

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

डरी चींटियाँ 9

कहानी पढ़कर अपनी कहानी बनाइए

वे दोनों चींटियाँ बहनें थीं।

पहली बार घर के बाहर निकली थीं।

थोड़ी दूर जाते ही वे दोनों ठिठक गईं।

यह देखकर एक पिल्ला भी रुक गया।

घबराहट में उसकी दुम ज़ोर से हिलने लगी।

उसकी दुम पर एक मक्खी बैठी थी।

वह उड़कर पेड़ के पत्ते पर जा बैठी।

पिल्ले के पीछे एक कुत्ता था।

उसने पूछा, ''आगे खतरा है क्या?''

पिल्ला कुछ कह नहीं पाया।

उधर से एक बिल्ली आ रही थी।

कुत्ते को देखकर वह पेड़ पर चढ़ गई।

मक्खी उड़कर उसके सिर पर बैठ गई।

वहीं बैठे टिड्डे ने पूछा, ''बिल्ली रानी, वे सब क्या देख रहे हैं?''

बिल्ली बोली, ''कुत्ते से पूछो।''

टिड्डा कुत्ते के पास गया। कुत्ते ने कहा, ''पिल्ले से पूछो!''

पिल्ले ने कहा, ''चींटियों से पूछो।''

एक चींटी बोली, ''देखो सामने कितना बड़ा पहाड़ है।''

तभी वह पहाड़ हिला। फिर चलने लगा।

सबने देखा वह एक हाथी था।

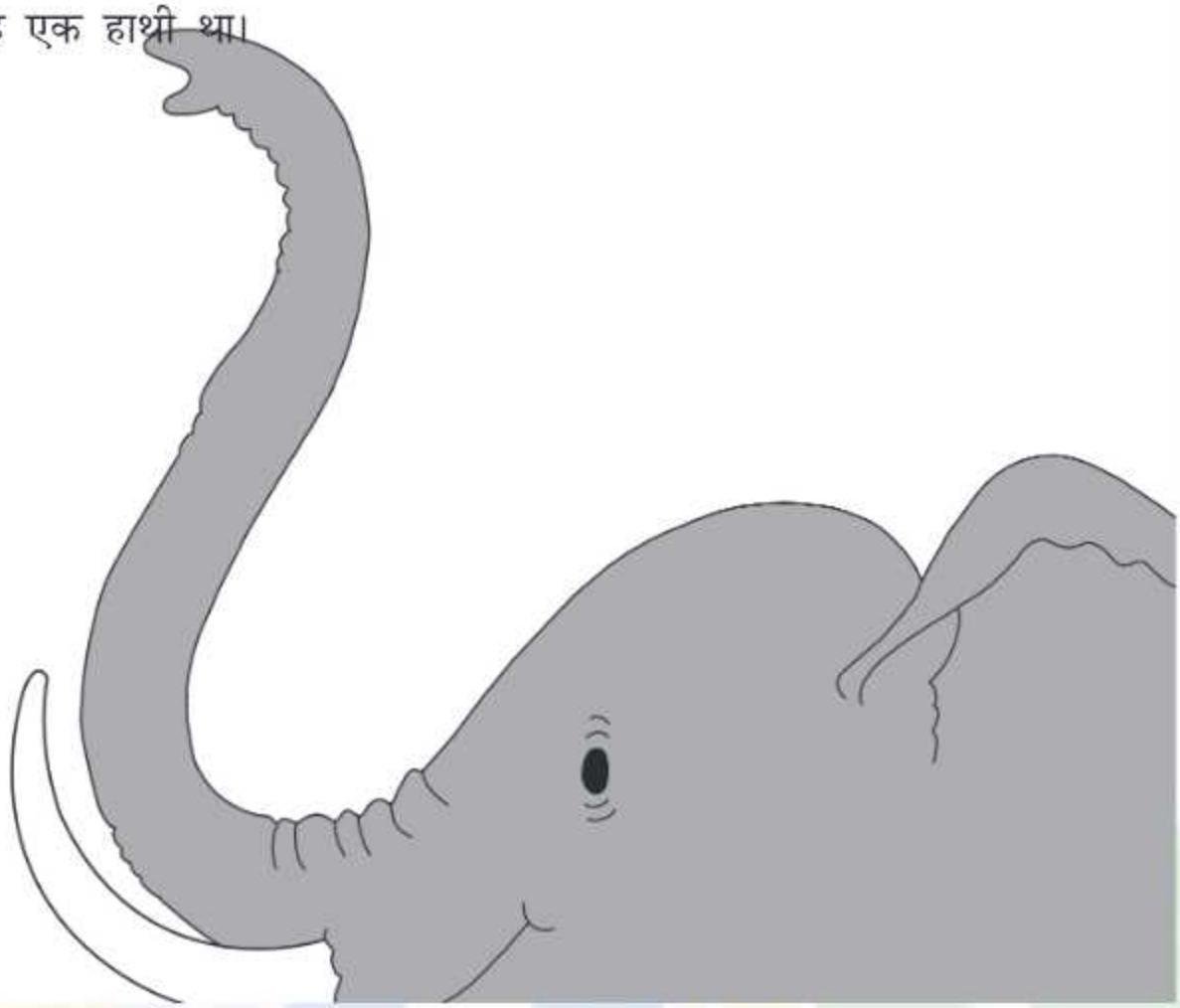

पकौड़ी 10

तुकबंदी करें और मजे ले -

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

छुन-छुन छुन-छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

हाथ से उछली
मुँह में पहुँची,
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी

मेरे मन को
भाई पकौड़ी

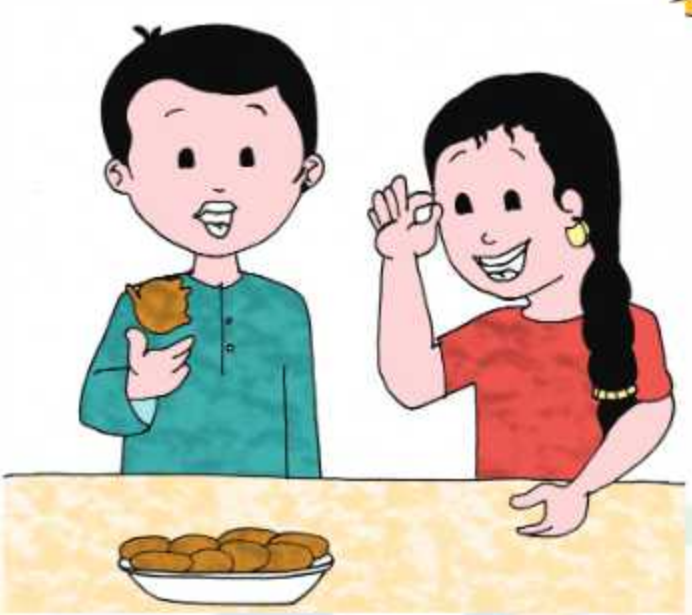

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

चार चने

11

कविता का आनंद उठायें

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय-टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।

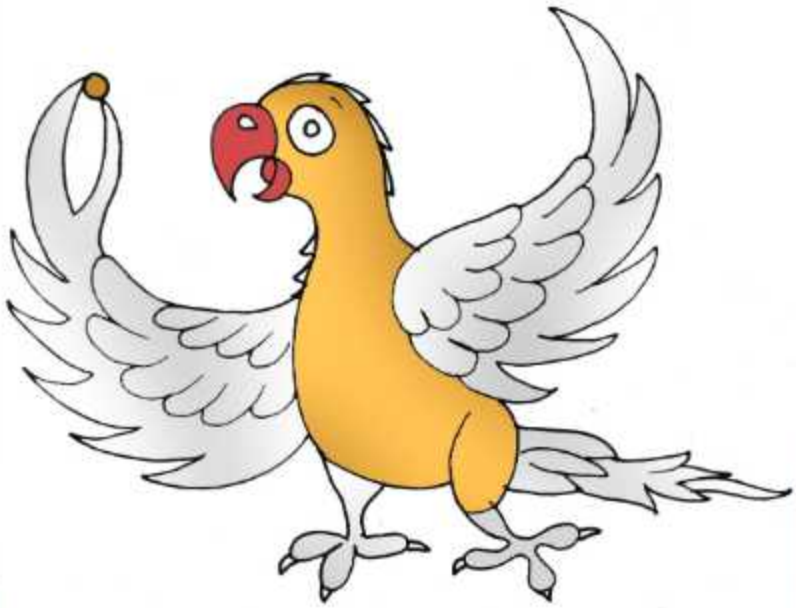

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता।

क्या ये मेरा मामा है

12

बिल्ली का नन्हा-सा बच्चा
सुंदर प्यारा बड़ा ही अच्छा
निकला ज्यों ही घर से बाहर
सीधे पहुँच गया चिड़ियाघर

हाथी की चिंघाड़ सुनी
शेर की दहाड़ सुनी
गैंडे को सुस्ताते देखा
मोर को इतराते देखा

भालू था पिंजरे के अंदर
पेड़ों पर लटके थे बंदर
पानी में था मगर पड़ा
कछुआ भी था वहीं खड़ा

हिरण, जेबरा और जिराफ
सभी वहाँ थे घूम रहे
बच्चों को ले थैली में
कंगारू थे कूद रहे

थोड़ी दूर पर उसने देखा
सोया था एक बाघ का बच्चा
लगी शक्ल पहचानी सी
देखीभाली जानी सी

उसके पास झट जा पहुँचा
माँ से मिलना है यह सोचा
लगता बड़ा सयाना है
क्या, ये मेरा मामा है?

कविता से (मौखिक रूप से)

1. बिल्ली का बच्चा चिड़ियाघर कैसे पहुँचा?
2. चिड़ियाघर में बिल्ली के बच्चे ने कौन-कौन से जानवर देखे?
3. चिड़ियाघर में 'गैंडा' क्या कर रहा था?

मामा को बस (मौखिक रूप से)

1. माँ के भाई को मामा कहते हैं? आप अपने घर की बोली में अपने मामा जी को क्या कहते हैं?
2. आपके कितने मामा हैं? उनके नाम क्या-क्या हैं?
3. आपके मामा कहाँ रहते हैं?
4. आपके मामा क्या करते हैं?
5. आपको अपने मामा क्यों अच्छे लगते हैं?

ज़रा सोचकर बताइए कि 'मामा' शब्द कैसे बना होगा?

चिड़ियाघर की सैर

1. क्या आपने भी कभी चिड़ियाघर की सैर की है? यदि हाँ, तो उसके बारे में अपने साथियों को बताइए।
2. चिड़ियाघर को और क्या कहते हैं? (इस काम में आप बड़ों की सहायता ले सकते हैं।)

बिल्ली

इस शब्द में इ(ि) और ई (ी) दोनों ही मात्राएँ लगी है। ऐसे ही कुछ और शब्द लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

मैंने बनाई बिल्ली

दिए गए बिंदुओं को मिलाकर देखिए तो सही

अब इसे कोई नाम दीजिए।

आपकी कविता

बिल्ली बोली म्याऊँ-म्याऊँ

..... क्या मैं खाऊँ?

चूहा बोला–मुझको ना खाना

तुम्हें सुनाऊँगा एक गाना।

लिखो-बोलो

मामा दादा चाचा पापा

मामी दादी चाची मम्मी

जिन्हें बोल सकते हो, उनपर घेरा बनाइए-

म ह र ब ल प स अ

छ द न ग य थ भ घ

पूरा कीजिए-

म..... ल..... स.....

ह..... प..... ज.....

न..... ग..... फ.....

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

बस के नीचे बाघ

13

किसी जंगल में एक छोटा बाघ खेल रहा था। खेलते-खेलते वह जंगल के पास वाली सड़क पर निकल आया। सड़क पर एक बस खड़ी थी।

छोटे बाघ ने देखा कि बस का दरवाज़ा खुला है। बाघ अपने अगले पंजे बस की सीढ़ी पर रखकर बस के भीतर देखने लगा।

उसने देखा कि बस के भीतर आगे की तरफ़ से घर्र-घर्र की आवाज़ आ रही है और उसके पास एक आदमी बैठा है। छोटे बाघ ने यह भी देखा कि उस आदमी के सामने एक दीवार-सी है। लेकिन यह दीवार कुछ अजीब थी। इस दीवार में से बाहर की हर चीज़ साफ़-साफ़ दिखाई दे रही थी।

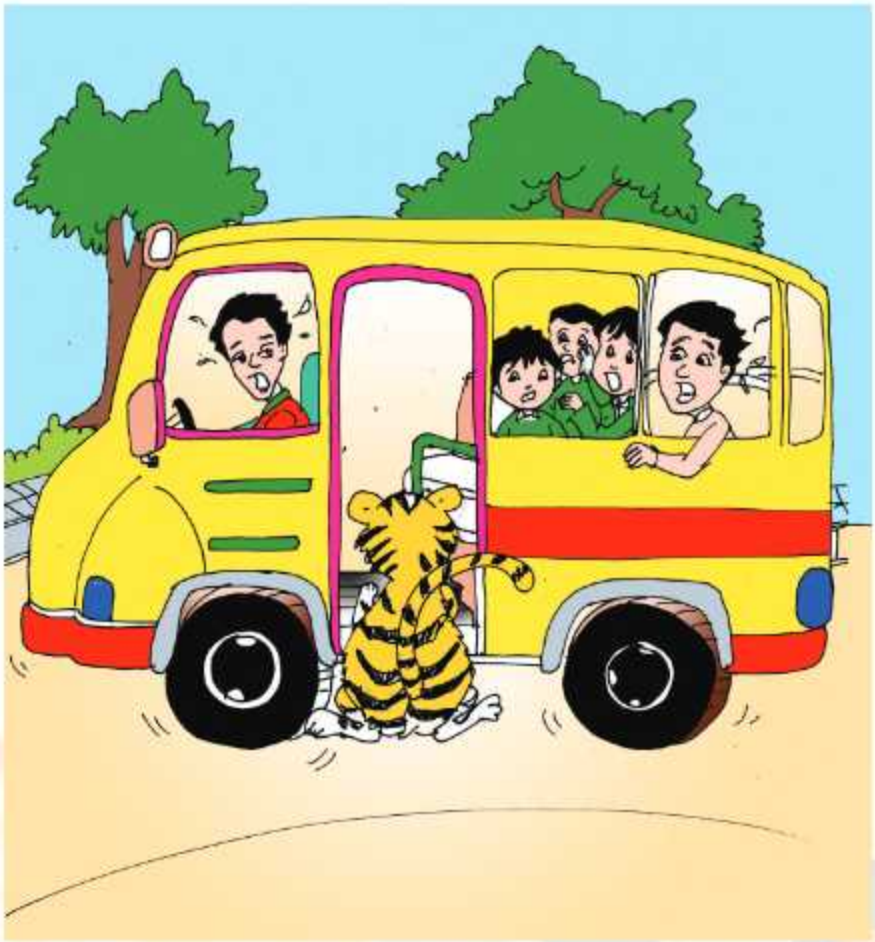

बाघ ने अपना सिर दाहिनी तरफ मोड़ा। उसने देखा कि बस में कई लोग बैठे हैं। आगे वाली सीट पर दो छोटी लड़कियाँ बैठी थीं।

अचानक छोटे बाघ को लगा कि लोग उससे डर रहे हैं और उसे भगाना चाहते हैं। तभी सामने की सीट पर बैठा आदमी

उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया।

बस के बाकी लोग भी तेज़ी से पीछे वाले दरवाज़े की तरफ भागने लगे।

लोगों को भागते देखकर छोटा बाघ कुछ घबराया। वह सीढ़ी से उतरा और बस के नीचे घुस गया। नीचे पहुँचकर वह बस के आगे वाले पहिए के पास जाकर दुबक गया।

लेकिन वहाँ उसे अच्छा नहीं लगा। वह फिर से बस के भीतर जाना चाहता था। थोड़ी देर बाद वह बाहर निकला और बस की सीढ़ी पर पंजे रखकर भीतर चला गया। वह सामने वाली सीट पर बैठकर बाहर देखने लगा।

कहानी में से

1. बस के भीतर से घर्र-घर्र की आवाज़ क्यों आ रही थी?
2. बाघ ने किसे दीवार समझ लिया था?
3. बाघ को क्यों लगा कि लोग उससे डर रहे हैं?
4. बाघ को बस के नीचे अच्छा क्यों नहीं लगा?
5. बाघ का ध्यान दो छोटी लड़कियों पर क्यों गया?
6. बस के सारे लोग कहाँ चले गए थे?

बस में

❖ बाघ ने बस में कई चीज़ें देखीं। लेकिन उसे उनका नाम पता नहीं था। क्या तुम बाघ की मदद करोगे? बताओं बस में आप क्या-क्या देखते हो?

....

....

❖ तुम बस में कब-कब चढ़े हो?

.....

❖ बस में चढ़ने के बाद टिकट कौन लेता है?

.....

❖ टिकट के दाम अलग-अलग क्यों होते होंगे?

.....

❖ बस में तुम आगे से चढ़ते हो या पीछे से?

.....

❖ तुमने किस-किस तरह की बस में सैर की है?

.....

❖ तुम्हें कभी बस में चढ़ने के बाद डर लगा है?

.....

❖ बस और रेलगाड़ी में क्या फ़र्क होता है?

.....

डर-निडर

(क) बस में बैठे लोग बाघ के बच्चे से डर रहे थे। बाघ भी उन लोगों से डर रहा था। बताओ, तुम्हें किन-किन से डर लगता है और क्यों?

.....

.....

.....

(ख) बाघ डरकर बस के नीचे दुबक गया। आप डर लगने पर क्या करते हैं?

.....

.....

.....

अनोखी दीवार -मौखिक रूप से उत्तर दें।

बस के सामने वाली दीवार अलग तरह की थी। उसके आर-पार देखा जा सकता था।

- वह दीवार क्या थी?
- किन-किन चीज़ों के आर-पार देखा जा सकता है?
- किन-किन चीज़ों के आर-पार नहीं देखा जा सकता?

अनुमान लगाइए-

- छोटा बाघ कौन-सा खेल खेल रहा होगा?

  .....

- बस में कितने लोग बैठे होंगे?

  .....

- छोटा बाघ बस के नीचे कितनी देर दुबका रहा होगा?

  .....

- सामने से आने वाली बस में कितने लोग बैठे थे?

  .....

काम ही काम

- किसी जंगल में एक छोटा बाघ खेल रहा था।
- छोटा बाघ बस में बैठ गया।
- आदमी अपनी सीट से उठा।
- वह दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया।
- बाघ बाहर देखने लगा।

इन वाक्यों में काम वाले कई शब्द आए हैं-

खेलना, बैठना, उठना, कूदना, देखना

नीचे दिए गए वाक्यों में काम वाले शब्दों पर घेरा लगाओ–

- छोटे बाघ ने एक बस देखी।
- दो लड़कियाँ बस में बैठी थीं।
- छोटा बाघ बस के नीचे घुस गया।
- वह पहिए के पास जाकर दुबक गया।
- लोग दरवाज़े की तरफ़ भागने लगे।

सही काम वाला शब्द खाली जगह पर लिखिए – [बजाई, उतर, डर]

- बाघ को देखकर लोग ..... गए।
- सभी बच्चों ने ताली .....।
- बाघ बस से ..... गया।

शब्दों की दुनिया

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और सही खाने में लिखिए :

सीढ़ी पढ़ा बूढ़ा बढ़ई चढ़ाई

लकड़ी पड़ा लड़का बड़ा सड़क

ढ़	ड़
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

खाली जगह में सही शब्द लिखिए- *पढ़ी बड़ा बढ़ा पड़ा सीढ़ी सड़क*

- बस ..... पर खड़ी थी।
- बाघ ने अख़बार में खबर .....।
- आदमी बहुत ..... था।
- टिकट जमीन पर ..... था।
- छोटा बाघ आगे .....।
- वह ..... से नीचे उतरा।

पढ़ो और बताओ

अचानक छोटे बाघ को लगा कि लोग उससे डर रहे हैं और उसे भगाना चाहते हैं। तभी सामने की सीट पर बैठा आदमी उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया।

❖ छोटे बाघ को क्या लगा?

.....

❖ सामने की सीट पर कौन बैठा था?

.....

❖ आदमी ने कौन-सा दरवाज़ा खोला?

.....

❖ आदमी बाहर क्यों कूद गया?

.....

कहानी सुनाइए

बस में बैठी लड़कियों ने बाघ वाली घटना घर में कैसे सुनाई होगी? सुनाइए।

पढ़ो

बस	बकरी	बगल	बल
बाघ	बाज़ार	बाग	बाल
ब	बा	ग	गा

बस की सैर

आपने जिस बस में भी सैर की है, उसका चित्र बनाकर रंग भरिए–

चींटी ने दौड़ लगाई 14

एक लोमड़ी और एक चींटी में गहरी दोस्ती थी। लोमड़ी थी चालाक और चींटी थी सीधी-सादी। एक बार की बात है। दोनों ने सोचा कि मिलकर गेहूँ बोया जाए। लोमड़ी ने कहा–दोनों मिलकर काम करेंगे। जब गेहूँ पक जाएगा तो दोनों आधा-आधा बाँट लेंगे।

चींटी मान गई।

लेकिन लोमड़ी थी बड़ी चालाक। हर रोज़ वह शिकायत करती-हाय! हाय! मुझे तो बुखार हो गया है। मुझसे तो उठा भी नहीं जा रहा।

चींटी अकेली सुबह-शाम मेहनत करती। लोमड़ी मौज करती रहती। इसी तरह करते-करते गेहूँ पक गया।

अब लोमड़ी ने सोचा–इस बेवकूफ़ चींटी से सारा अनाज हड़प लेती हूँ।

उसने चींटी से कहा–चींटी बहन। इतने सारे गेहूँ का बँटवारा करना तो बहुत कठिन है। एक उपाय करते हैं। हम दोनों दौड़ लगाते हैं। जो पहले खेत में पहुँच जाए, वह सारा अनाज ले ले। बोलो–मंज़ूर है?

चींटी ने बात मान ली।

चींटी और लोमड़ी ने शेर को अपना मुखिया बना लिया।

दोनों अगल-बगल खड़े हो गए। शेर ने दौड़ की उलटी गिनती बोली–तीन, दो, एक दौड़ो।

लोमड़ी पूरा ज़ोर लगाकर दौड़ने लगी। वह सोच रही थी- यह छोटी-सी चींटी भला मुझसे कैसे जीतेगी। सारा गेहूँ अब मेरा ही है।

उधर चींटी भी चतुर थी। वह लोमड़ी की दुम से चिपक गई थी। खेत पर पहुँचकर लोमड़ी ने अपनी दुम ज़ोर से हिलाई। चींटी कूदकर गेहूँ के ढेर पर चढ़ गई। वह ज़ोर से बोली–लोमड़ी बहन। इतनी देर कैसे लग गई? तुम कहाँ रह गई थीं? मैं तो कब से यहाँ इंतज़ार कर रही हूँ।

लोमड़ी हैरान रह गई। उसे कुछ समझ में नहीं आया। चींटी सारा गेहूँ ले गई। लोमड़ी को अपनी गलती का सबक मिल गया।

अभ्यास

बातें कहानी की

(क) लोमड़ी और चींटी ने मिलकर क्या बोया?

.....

(ख) दौड़ किसने जीत ली?

.....

(ग) लोमड़ी और चींटी ने किसे अपना मुखिया बना लिया?

.....

(घ) चींटी और लोमड़ी में से कौन चतुर था?

.....

(ङ) लोमड़ी को क्या मिला?

.....

बातें कहानी से आगे की

❖ छोटा-बड़ा : चींटी छोटी होती है। लोमड़ी का शरीर चींटी से बड़ा होता है। आगे दिए गए पशुओं के नाम उनके शरीर के आकार हिसाब से लगाइए-

चींटी, लोमड़ी, शेर, हाथी, गाय, चूहा, बिल्ली

.....

मिलाइए-

आगे दिए गए चित्रों को उनके नामों से मिलाइए।

मक्का

धान

बाजरा

गेहूँ

पूरा कीजिए

आपस में बातचीत करके पता कीजिए और भरिए-

(क) बुखार में शरीर ..... हो जाता है।

(ख) लोमड़ी ..... में रहती है।

(ग) गेहूँ से ..... बनता है।

(घ) चींटी बहुत ..... करती है।

(ङ) लोमड़ी ..... जैसी दिखती है।

पूरा कीजिए

आगे दिए गए शब्दों में 'त्र' भरकर पूरा कीजिए-

ि_पुरा	ि_शिूल	मि_	चि_
प_	श ु	स_	या_ी
रा_	इ_	छा_	ि_देव
चरि_		पवि_	पु_

इन शब्दों को दोहराइए।

गेहूँ पहुँच

इन दोनों शब्दों को पढ़कर बोलिए। एक शब्द में उ की मात्रा है, दूसरे में ऊ की।

आगे दिए गए शब्दों में ु(उ) या ू(ऊ) लगाइए।

चाक आँस आल नींब भाल वाय आड़ डाक

शत्र इंद झाड़ जाद जँ जंत पालत

चाल ल बदब खशब

चित्र

नीचे लिखी चीज़ों के चित्र बनाइए-

(क) केक

(ख) सेब

(ग) रोटी

(घ) गोली

(ङ) कंचा

(च) मोती

मिलते जुलते

दिए गए वाक्य पूरे कीजिए-

(क) चींटी मान गई।

(ख) चींटी .....न गई।

(ग) चींटी .....न गई।

पकना

बताइए, इनके पकने पर क्या होता है?

(क) गेहूँ पकने पर पीला हो जाता है।

(ख) आम पकने पर ..... हो जाता है।

(ग) चाय पकने पर ..... हो जाती है।

(घ) चावल पकने पर ..... हो जाता है।

(ङ) केला पकने पर ..... हो जाता है।

(च) जामुन पकने पर ..... हो जाता है।

(छ) कढ़ी पकने पर ..... हो जाती है।

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

बतूता का जूता

15

इब्न बतूता पहन के जूता
निकल पड़े तूफ़ान में,
थोड़ी हवा नाक में घुस गई
घुस गई थोड़ी कान में।

कभी नाक को, कभी कान को
मलते इब्न बतूता,
इसी बीच में निकल पड़ा
उनके पैरों का जूता।

उड़ते-उड़ते जूता उनका
जा पहुँचा जापान में
इब्न बतूता खड़े रह गए
मोची की दुकान में!

ऊँट चला

16

ऊँट चला, भई ऊँट चला
हिलता डुलता ऊँट चला।

इतना ऊँचा ऊँट चला
ऊँट चला, भई ऊँट चला।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ
पीठ उठाए ऊँट चला।

बालू है, तो होने दो
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला
ऊँट चला, भई ऊँट चला।

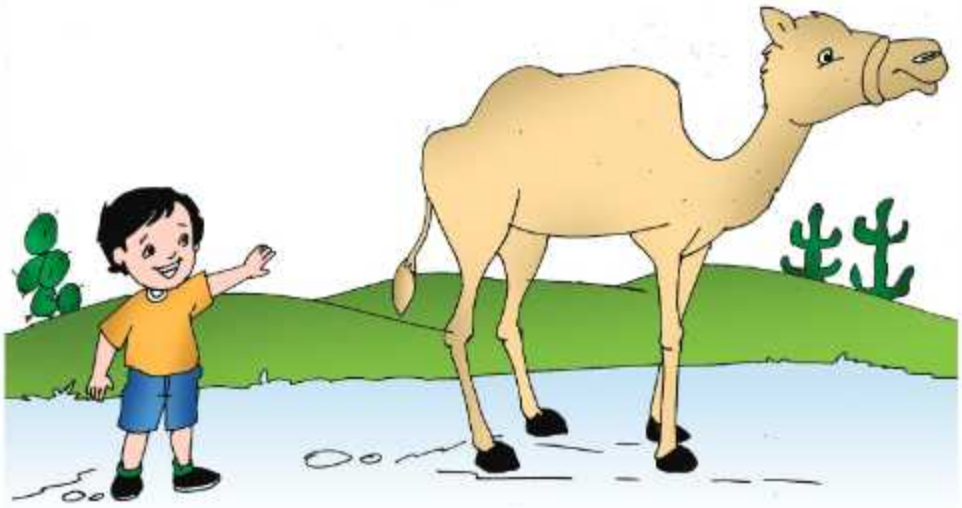

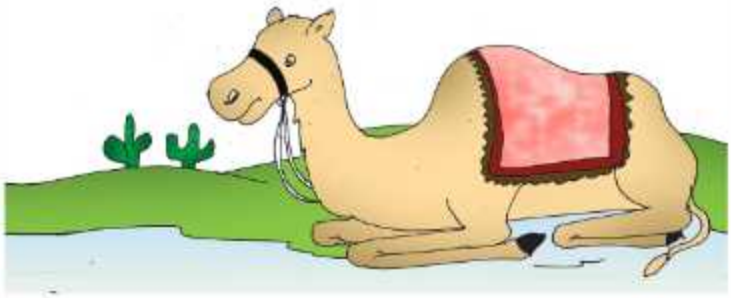

कविता में से

ऊँट चला भई ऊँट चला

कैसे चला?

हिलता .....

पीठ .....

झटपट बोलो

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

कैसी लगी कविता? अब इस कविता को अपने मन से एक नाम दो और ऊपर दी गई जगह में लिख दो।

कितना-कितना

(i) ऊँट कितना ऊँचा? बिजली के खंभे जितना

(ii) हाथी कितना मोटा? ..... जितना

(iii) चींटी कितनी छोटी? ..... जितनी

(iv) साँप कितना लंबा? ..... जितना

ऊँचा-नीचा

(क) ऊँट से ऊँची चीज़ों के नाम पर गोला लगाइए–

- तुम्हारे कमरे की छत
- हाथी
- आम का पेड़

(ख) ऊँट के नीचे से क्या-क्या निकल सकता है?

(ग) किन-किन चीज़ों की मदद से ऊँट पर चढ़ोगे?

1. नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए और अंतर बताइए –

कहा	कहाँ
आधी	आँधी
बास	बाँस
काटा	काँटा

(ँ) को चंद्रबिंदु कहते हैं। इसके बोलने में हवा मुँह और नाक, दोनों से एक साथ निकलती है। इन शब्दों को भी बोलकर देखिए-

चाँद गाँव ऊँट ऊँचा पाँव पूँछ

2. सही शब्द खाली जगह में लिखिए–

(i) ऊँट की ..... छोटी होती है। (पूछ-पूँछ)

(ii) ऊँट मेरे घर का पता ..... रहा था। (पूछ-पूँछ)

(iii) बड़े ज़ोर की ..... आई। (आधी-आँधी)

(iv) मदन ने सामान .....। (बाधा-बाँधा)

(v) शेर को देखकर मेरी ..... अटक गई। (सास-साँस)

अक्षर की बात

❖ कविता में 'ब' से शुरू होने वाले शब्द कौन-कौन से हैं? उनके नीचे रेखा खीचिए।

❖ तुम्हारा नाम किस अक्षर से शुरू होता है? उस अक्षर से चार शब्द और लिखिए।

....

बोझा

बालू है तो होने दो

बोझ ऊँट को ढोने दो

- आपने बहुत से जानवरों को बोझा ढोते हुए देखा होगा। क्या तुम्हें यह ठीक लगता है? क्यों?
- तुम्हारे आस-पास कौन-कौन बोझा उठाते हैं?
- तुम क्या-क्या आसानी से उठा सकते हो?

  किन्हीं चार चीज़ों के चित्र बनाओ और उनके नाम भी लिखो :

कविता बढ़ाइए-

अक्की बक्की

करें तरक्की

.....

.....

.....

.....

कितने ऊँट

चित्र में कितने ऊँट छिपे हैं? ध्यान से देखकर बताओ।

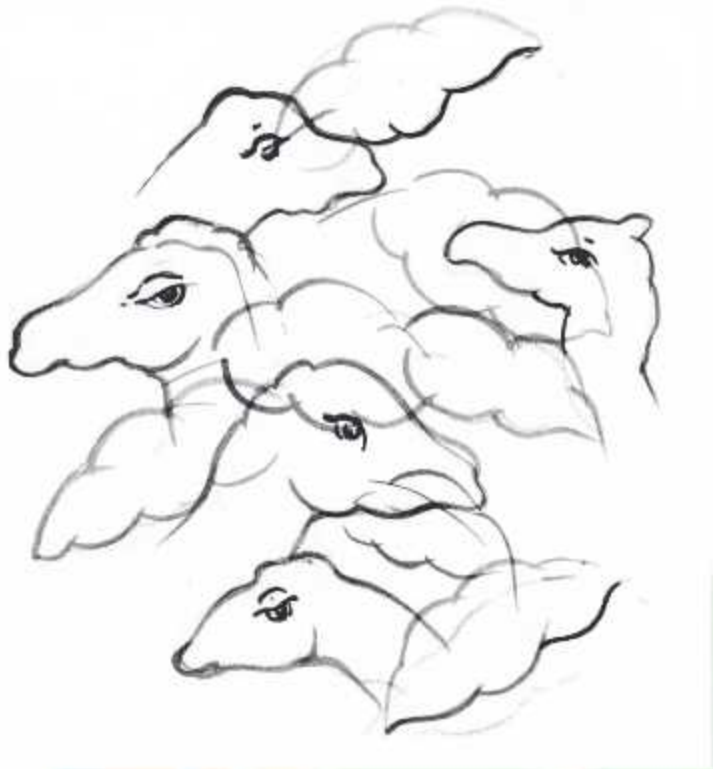

शब्द-लड़ी

शब्दों के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाला शब्द लिखो और शब्द लड़ी बनाओ :

भला → लाल → ..... → .....→ .....→ .....

इतना → नाच → ..... → .....→ .....→ .....

अलग है अक्षर

❖ नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए और अंतर बताइए :

पीट पीठ डाल ढाल

टन ठन डाक ढाक

❖ **सही शब्द से खाली स्थान भरिए-**

डाल	डाक	ढाल	पीठ	पीट

(i) ऊँट की ..... ऊँची थी।

(ii) पेड़ की ..... पर कौवा बैठा था।

(iii) डाकिया ..... लाया।

(iv) चुहिया ढोल ..... रही थी।

❖ **शब्द छाँटकर सही घर में लिखिए-**

ढेला	खाट	डोर	रेडियों	मिट्टी	डलिया	पाठ	ढक्कन

आठ	डर	ठेला	टोकरी	ठुमक	ढाल

ट	ठ	ड	ढ
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

उलट फेर

'भला' शब्द के दोनों अक्षरों 'भ' और 'ला' को उलटफेर दें तो भी एक शब्द बनेगा– 'लाभ'। अब तुम इन शब्दों के अक्षरों का उलटफेर करते हुए नए शब्द बनाइए–

जब ..... कब .....

चना ..... ताला .....

सब ..... नीना .....

चित्र

चार चीज़ों के चित्र बनाइए और उनके नाम भी लिखिए–

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

बहुत हुआ

17

बादल भइया
बहुत हुआ!
कीचड़-कीचड़
पानी पानी

याद सभी को
आई नानी
सारा घर
दिन रात चुआ

जाएँ कहाँ
कहाँ पर खेलें?
घर में फँसे
बोरियत झेलें
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ

सूरज दादा
धूप खिलाएँ
ताल नदी
सड़कों से जाएँ
तुम भी भैया
करो दुआ!

बातचीत के लिए

1. सभी तरफ पानी, कीचड़ होने पर सबको नानी क्यों याद आ गई?
2. आपको कब-कब नानी याद आती हैं? '√' का निशान लगाइए-
   - ❖ गणित के सवाल करते समय ☐
   - ❖ कहानी की किताब पढ़ते समय ☐
   - ❖ करेला खाते समय ☐
   - ❖ घर में बैठने पर ☐
3. कविता में बारिश होने पर क्या-क्या हुआ?
4. बारिश होने पर तुम्हारे घर में बाहर क्या-क्या होता है?
5. बारिश में तुम क्या-क्या करते हो?
6. कविता में क्या दुआ करने की बात की है और क्यों?

बारिश

❖ बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन-कौन-से शब्द आते हैं? कोई पाँच शब्द लिखिए-

....

❖ ये सभी बारिश से बचने के लिए क्या-क्या करेंगे-

- कबूतर
- केंचुआ
- कुत्ता
- मछली
- मोर
- मेंढक
- लोग

क्यों कहा?

कविता में ऐसा क्यों कहा गया है-

❖ बादल भइया, बहुत हुआ?

❖ ज्यों पिंजरे में मौन सुआ।

❖ जाएँ कहाँ, कहाँ पर खेलें?

बहुत हुआ

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं-

❖ बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो!
जब हम .....

❖ बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम .....

❖ बहुत हुआ, अब बस भी करो!
जब हम .....

कीचड़-कीचड़, पानी-पानी

बादल भइया

बहुत हुआ!

कीचड़-कीचड़

पानी-पानी

कविता में 'कीचड़' और 'पानी' शब्द दो बार एक साथ आए हैं। क्यों?

'कीचड़-कीचड़' का मतलब है—सब तरफ़ बहुत कीचड़ होना।

'पानी-पानी' का मतलब है—सब तरफ़ बहुत पानी होना।

इनका मतलब बताइए-

– घर-घर फैले धूप .....

– फूल-फूल महके खूब .....

– बच्चा-बच्चा करे दुआ .....

सुनो-सुनाओ

❖ 'बहुत हुआ' कविता अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों को सुनाएँ।

❖ बहुत सर्दी, बहुत गर्मी होने पर क्या-क्या होता है? कक्षा में बताएँ।

कुछ करने के लिए

तुम भी कागज़ की नाव बनाओ।

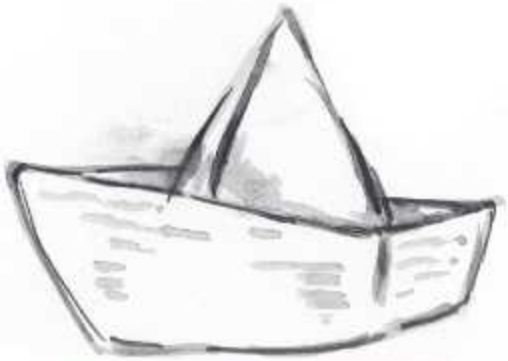

कहा-कहाँ

'कहा' और 'कहाँ' बोलने और लिखने में क्या अंतर है? कविता में चंद्रबिंदु वाले कई शब्द आए हैं। उन्हें लिखिए। अपनी तरफ से भी कोई चार शब्द और लिखिए-

जाएँ ....

....

मकड़ी-मकड़ी-लकड़ी 18

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी एक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

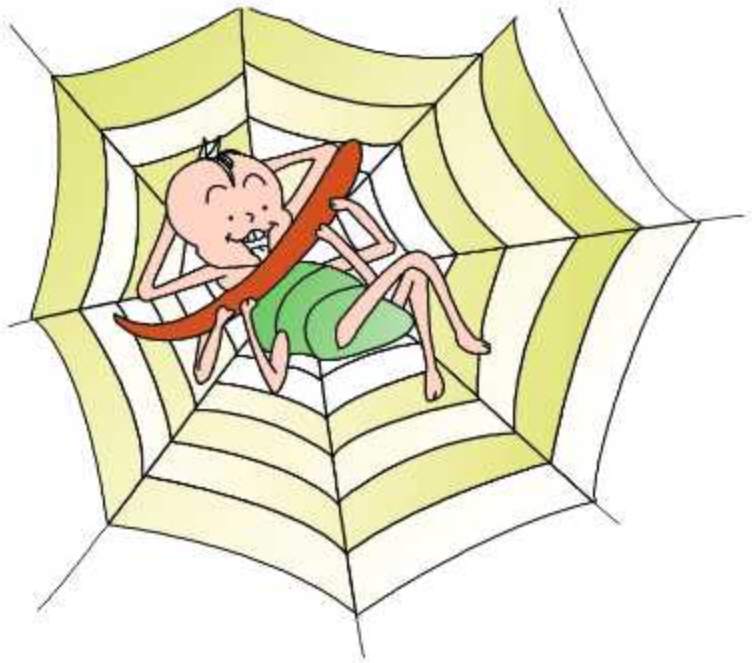

लकड़ी, मकड़ी, ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीजें देखीं।

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था भालू,
भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू।

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

मैं कौन? 19

आँधी आई, बगूला आया,
बूझो रे बच्चो, कौन आया?
मैं आया, मैं कौन?

मैं एक फल हूँ। मेरा नाम 'आ' से शुरू होता है। मैं ऊँचे घने पेड़ पर लगता हूँ। मैं गर्मी के मौसम में आता हूँ। बताओ, मैं कौन हूँ?

मेरे पत्ते हरे और चिकने होते हैं। पीछे से कुछ गोल और आगे से नुकीले होते हैं। उनकी लंबाई तुम्हारे डेढ़ बालिश्त जितनी तो होगी ही। बताओ तो, मैं कौन हूँ?

सर्दियाँ खत्म होते-होते मेरे वृक्ष के पत्ते झड़ने लगते हैं। पर सभी पत्ते नहीं झड़ते। फाल्गुन यानी मार्च में नए पत्ते आते हैं। एकदम चिकने और रंगदार। इन्हीं दिनों गुच्छेदार फूल भी आते हैं जिन्हें बौर कहते हैं। कई लोग बौर की चटनी बनाते हैं। चटनी बड़ी चटपटी होती है। अब पहचान गए क्या? फिर बताओ, मैं कौन हूँ?

जब तुम मुझे कच्चा खाते हो, मैं खट्टा लगता हूँ। ज्येष्ठ यानी जून आते-आते पकने लगता हूँ। इस समय पक्षी मुझे खाने की ताक में रहते हैं, खासकर तोते। बाग के रखवाले गुलेल मारकर उन्हें उड़ाते

हैं। तुम्हारा भी तो मन ललचाता है न मुझे देखकर? कई लोग कच्चा तोड़ लेते हैं और पाल लगाकर पकाते हैं। पर डाल के पके की बात ही कुछ और है। अहा! कितना मीठा होता हूँ मैं।

फल खाकर लोग मेरी गुठली फेंक देते हैं। कई गुठलियाँ ज़मीन में पड़ी-पड़ी उग आती हैं। बच्चे उसे उखाड़कर, पत्थर पर घिसकर बाजा बना लेते हैं। इस बाजे को पपीहा कहते हैं। क्या तुमने यह बाजा बनाकर और बजाकर देखा है?

मेरी कई किस्में होती हैं। इनमें से दशहरी, लँगड़ा, सफ़ेदा, तोतापरी और नीलमपरी आदि खास मानी जाती हैं। मेरी कुछ किस्में चूसकर भी खाई जाती हैं। मुझे चूसकर खाने में बड़ा मज़ा आता है। अब तो तुम मुझे पहचान ही गए होंगे।

चूस-चूस खाओ
चाहे काट-काट आम
आमों के आम हैं
गुठलियों के दाम।

पाठ में ढूँढो

1. आम के पत्ते कैसे होते हैं?
2. आम के पत्ते किस मौसम में झड़ने लगते हैं?
3. आम की गुठली से बाजा कैसे बनाते हैं?

आपकी समझ से

1. तुम किन-किन चीज़ों से बाजा बना सकती/सकते हो? उनपर घेरा लगाइए-
   पपीते की नली, शीशम के पत्ते, लीची की गुठली, पीपल के पत्ते, जामुन की गुठली
2. नीचे दी गई चीज़ों में से किस-किस की चटनी बनती है? उनपर घेरा लगाइए-
   आलू, धनिया, पुदीना, गोभी, कच्चा आम, टमाटर, प्याज

3. चटनी बनाने में कौन-कौन सी चीज़ें काम आती हैं? उनपर घेरा लगाइए-
तवा, इमामदस्ता, सिलबट्टा, सोटा, मिक्सी

4. इनमें से कौन-सी चीज़ें नुकीली और कौन-सी चीज़ें गोल हैं-
चूड़ी, चाकू, पेचकस, टमाटर, कील, संतरा, सुई, गेंद, पहिया

गोल	नुकीली

बातचीत के लिए

1. आपको कौन-कौन से फल पसंद है? उनके रंग-रूप, स्वाद के बारे में बताइए। बताइए, ये फल किस मौसम में खाते हैं?
2. आम के पत्ते कैसे होते हैं?
3. माली पक्षियों को गुलेल क्यों मारता होगा? क्या पक्षियों को गुलेल से मारना ठीक है? क्यों?
4. आम की गुठली से क्या बनाया जाता है? उसे क्या कहते हैं?
5. किन-किन चीज़ों की चटनी बनाई जाती है? चटनी बनाने का कोई एक तरीका बताइए।

क्या करेंगे

- अगर माली आपको आम तोड़ते हुए पकड़ ले तो आप क्या करेंगे?
- अगर गुलेल से किसी पक्षी को चोट लग जाए तो आप क्या करेंगे?
- अगर आपको आम की चटनी बनानी हो तो आप क्या करेंगे?

पता करो

एक 'बालिश्त' कितना होता है? अपने बड़ों से पता करो। इन चीज़ों की लंबाई को 'बालिश्त' में नापकर बताइए :

- आपकी किताब
- आपका दोस्त
- आपकी कक्षा का डेस्क या मेज
- आपकी कॉपी
- आपका बस्ता

ललचाए मन-

- आम को देखकर कई लोगों का मन ललचाता है। बताओ, तुम्हारा मन किन चीज़ों को देखकर ललचाता है? उन चीज़ों पर घेरा लगाइए-

शब्दों की दुनिया

- 'बगूला' शब्द को 'धूल' भी कहते हैं। बताओ इन्हें और क्या कहते हैं-

वृक्ष .....

बाग का रखवाला .....

मार्च .....

जून .....

❖ आम के पत्ते पीछे से गोल और आगे से नुकीले होते हैं। बताइए, ये चीज़ें गोल हैं या नुकीली–

....

❖ पाठ में 'आम' की बात की गई है, जो 'आ' से शुरू होता है। 'आ' से शुरू होने वाले बच्चों के नाम और कुछ चीज़ों के नाम लिखिए–

बच्चों के नाम **चीज़ों के नाम**

....

....

....

❖ पाठ में कई चीज़ों की बात की गई है, उन्हें लिखने का अभ्यास करिए–

आम	गुठली	पत्ता	बौर
.....	.....	.....	.....
बच्चे	माली	पेड़	चिड़िया
.....	.....	.....	.....

इन शब्दों को नाम वाले शब्द कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए और नाम वाले शब्दों पर घेरा लगाइए–

– ऊँट जा रहा था।
– बच्चे खेल रहे थे।
– टोकरी में आम थे।
– सुमित ने आम खाए।
– मनीषा ने गुलेल तोड़ दी।

कुछ इस तरह

❖ **'मेरे पत्ते हरे और चिकने होते हैं।'**

पाठ में आम अपने बारे में बता रहा है। जब आप आम के बारे में बताएँगे तो कुछ इस तरह बताएँगे।

'आम के पत्ते हरे और चिकने होते हैं-

नीचे दिए गए वाक्यों को इसी तरह से बदलकर लिखिए-

❖ **फल खाकर लोग मेरी गुठली फेंक देते हैं।**

.....

❖ **मैं ऊँचे घने पेड़ों पर लगता हूँ।**

.....

❖ **मेरी कई किस्में होती हैं।**

.....

❖ **मुझे चूसकर खाने में बड़ा मजा आता है।**

.....

❖ **मैं गर्मी के मौसम में आता हूँ।**

.....

कुछ करने के लिए

❖ आम ने अपने बारे में काफ़ी बातें बताई है। आप अपने आस-पास के किसी पेड़ के बारे में बताइए और लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

❖ अलग-अलग तरह की पत्तियों को चिपकाए और उनके नाम लिखिए। ध्यान रहे कि पत्तियाँ तोड़ें नहीं बल्कि नीचे गिरी हुई पत्तियों का इस्तेमाल कीजिए–

जामुन 20

मेरे घर के सामने जामुन का एक पेड़ है। बारिश का मौसम आते ही यह जामुनों से लद जाता है। मेरे सभी मित्रों को खट्टे-मीठे जामुन बड़े अच्छे लगते हैं। वे सभी मेरे घर पर इकट्ठे हो जाते हैं और हम सब मिलकर जामुन तोड़ने में जुट जाते हैं। हम में से कोई एक पेड़ पर चढ़ जाता है और जामुनों से भरी डाली हिलाता है। बाकी बच्चे चादर या कोई बड़ा कपड़ा फैलाकर नीचे खड़े रहते हैं। डाली हिलाते ही जामुनों की बारिश होने लगती है। हम जामुन नीचे नहीं गिरने देते क्योंकि नीचे गिरने पर जामुन फूट जाते हैं और उनमें मिट्टी लग जाती है। मेरे दादाजी कहते हैं, ऐसे जामुन खाने से पेट खराब हो जाता है।

यह जामुन का पेड़ देखने में बहुत विशाल और शानदार है। यह साल भर हरा-भरा

रहता है। कभी कोई गिलहरी इसकी शाखाओं पर उछलकूद करती नज़र आती है तो कभी दूर कहीं से उड़कर आते पक्षी इस पर बैठकर आराम करते दिखाई देते हैं। मुझे अपने जामुन का पेड़ देखना बहुत अच्छा लगता है।

मार्च में जब मेरी परीक्षाएँ समाप्त हो जाती हैं, तब मैं इसके फूलों की प्रतीक्षा करने लगता हूँ। मार्च से मई के बीच पेड़ पर फूल आने लगते हैं। जामुन के फूल गुच्छों में खिलते हैं। ये फूल हल्के पीले रंग के होते हैं। मुझे इनकी गंध बहुत भाती है।

जून के महीने से ही पेड़ पर फल नज़र आने लगते हैं। पर अभी वे कच्चे होते हैं। कच्चे जामुन में कसैलापन होता है। बारिश शुरू होने के साथ ही ये पकने लगते हैं। पहले इनका रंग हरा होता है, पर धीरे-धीरे बैंगनी और पकने के बाद काला हो जाता है। पके हुए मुलायम, रसीले, मीठे और चमकीले जामुन को देखते ही मुँह में पानी आ जाता है।

मेरे पेड़ के जामुनों की गुठली छोटी होती है और गूदा ज़्यादा। मेरे स्कूल के पास भी जामुन का एक पेड़ है, पर उसके जामुनों में गुठली बड़ी होती है और गूदा कम। वे खाने में थोड़े कसैले हैं, इसलिए मुझे वे अच्छे नहीं लगते।

मुझे अपने दादाजी के साथ जामुन के पेड़ की छाँव में बैठना बहुत पसंद है। वे मुझे जामुन के बारे में बहुत-सी बातें बताते हैं। वे कहते हैं कि यह पेड़ उन्होंने कलम बनाकर लगाया था। जानते हो कलम कैसे लगाई जाती है? जामुन की कोई हरी-भरी टहनी लो, उसे कलम की तरह छीलो, और ज़मीन में लगा दो। देखभाल करने पर यह टहनी नया पौधा बन जाएगी।

मेरे दादाजी कहते हैं कि जामुन की गुठलियाँ कई बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। जामुन के पेड़ की छाल रंगाई के काम आती है। इसकी लकड़ी बहुत सख़्त और टिकाऊ होती है और पानी में काफ़ी समय तक रहने पर भी खराब नहीं होती। इसलिए इस लकड़ी को नाव बनाने के काम में भी लाया जाता है।

पाठ में से

1. आपके घर और स्कूल के आसपास कौन-कौन से पेड़ हैं? उनके नाम लिखिए।
2. जब आपके तुम्हारे सालाना (वार्षिक) इम्तिहान होंगे तो जामुन का पेड़ कैसा नज़र आएगा?
3. ऐसे तीन फलों के नाम लिखिए जिनमें गुठली होती है।
4. पाठ में खेती से जुड़े हुए शब्दों को ढूँढ़ो और लिखो।
5. कलम कैसे लगाई जाती है?
6. जामुन हमारे किस-किस काम आता है?

स्वाद

किस चीज़ का स्वाद कैसा होता है? लिखिए-

(क) लड्डू .....

(ख) मिर्च .....

(ग) नमक .....

(घ) नींबू .....

(ङ) पानी .....

रंगों के नाम

मटमैला का मतलब है मिट्टी के रंग वाला। जामुनी का मतलब है जामुन के रंग वाला। इसी तरह नीचे दिए गए रंगों के बारे में बताइए-

गुलाबी .....

बादामी .....

बैंगनी .....

सिंदूरी .....

केसरी .....

पढ़ी हुई बात

इस पाठ को आपने पढ़ लिया है। अब जामुन के बारे में कुछ बातें बताइए–

(क) जामुन कितनी तरह के होते हैं?

.....

(ख) जामुन का पेड़ किस-किस काम में आता है?

.....

(ग) जामुन के पेड़ पर फूल और फल किन महीनों में लगते हैं?

.....

(घ) कच्चे जामुन का रंग कैसा होता है?

.....

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

एक यात्रा ऐसी भी

21

सनर-सन्, सनर-सन्, सनर-सन्... न, न ऐसे नहीं। देख ऐसे... जुम्भम-भुम, जुम्भम-भुम, जुम... चल-चल, ऐसे नहीं। देख मैं निकालती हूँ मैट्रो की आवाज़-छक्कम-छुक, छुक-छुक-छक्कम...।

फाहद आशिमा के सिर पर धौंस जमाते हुए बोला, ''मैट्रो बिजली से चलती है। यह पुराने ज़माने की रेल जैसे छुक-छुक नहीं करती समझी।''

यह बातचीत हमारे साथ बैठे बच्चों में चल रही थी, जिनके साथ हम मैट्रो की यात्रा पर निकले थे।

यात्रियों की भागम-दौड़, सामान बेचने वालों की आवाज़ें, बस कंडक्टरों की फटकार–इन सब कोलाहल से होते हुए जब हम मैट्रो के प्लेटफॉर्म पर पहुँचे तो हम फटी आँखों से देखते रह गए।

''हाय रे! कितनी सफ़ाई है यहाँ। यहाँ लोग नहीं आते क्या? अरे दीदी, फ़र्श तो देखो कितना चिकना! जी करता है लोट लगा लूँ।'' –आशिमा मचल उठी। ''और कितना ठंडा भी!'' –सविता ने पहली बार कुछ कहा।

इस बातचीत में रुकावट डाली एक वर्दीधारी आदमी ने।

उसने हमारी दाईं ओर इशारा करते हुए कहा, ''वहाँ से टिकट लो और भीतर जाओ। यहाँ भीड़ मत जमा करो।''

देखा तो दाईं तरफ़ टिकट-खिड़की थी, जहाँ जानकारी लिखी थी–तीन फुट से कम लंबाई के बच्चे नि:शुल्क यात्रा कर सकते हैं।

हमारे साथ के सभी बच्चे अपने को बालिश्त से नापने लगे, पर ये न बता पाए कि वे तीन फुट से कम हैं या ज़्यादा।

टिकट के रूप में हमें प्लास्टिक के गोल टोकन मिले। कुछ-कुछ चाट-पापड़ी के टोकन जैसे। कश्मीरी गेट से शाहदरा तक जाने के लिए सात रुपए का टोकन लेना पड़ा। इस टोकन को एक मशीन पर छुआना पड़ता है। उसको छुआते ही आगे जाने का रास्ता खुलता है। इसका मतलब अगर हम बिना टोकन लिए प्लेटफ़ॉर्म तक जाना चाहें तो नहीं जा सकते। मैट्रो में चढ़ने के लिए पहले हमें स्वचालित सीढ़ियों से ऊपर जाना पड़ता है, क्योंकि रेल-ट्रैक ऊपर है।

अब हमारे सामने थीं–स्वचालित सीढ़ियाँ। एक सीढ़ी पर पाँव रखो और बिना हिले-डुले

सीधे पहुँचो ऊपर।

चढ़ने की उत्सुकता तो बहुत थी पर हिम्मत जवाब दे रही थी। हिम्मत बटोरने के प्रयास में जुटे थे कि बच्चों की आवाजें आईं–''आप नीचे ही खड़े हैं। आए क्यों नहीं?'' वे सब हँसते-हँसते नीचे आ गए और ''कुछ नहीं होता, कुछ नहीं होता,'' कहती सुरभि आई और हाथ पकड़कर ले गई।

मेरी तो हिम्मत ही नहीं हो रही थी। मेरी तरह कुछ और भी लोग थे। इधर सुरभि मेरी हिम्मत बढ़ा रही थी उधर ऊपर खड़ी सविता चिल्लाई–''मैडम, आँख मींच लो। सर्र से ऊपर पहुँच जाओगी।''

आखिरकार, बच्चों के सहारे हम ऊपर पहुँचे। बच्चों को तो इन सीढ़ियों पर चढ़ना-उतरना एक खेल ही लग रहा था।

ऊपर के प्लेटफ़ॉर्म पर भी बहुत सफ़ाई थी। हिना का कहना था कि नई जगह की वजह से सफ़ाई है। सुरभि का विचार था कि कर्मचारियों की नज़रें बहुत कड़ी हैं।

हमारे सामने भी एक प्लेटफ़ॉर्म था। वहाँ शाहदरा से आने वाली मैट्रो रुकती थी। पता चला कि हर आठ मिनट में एक मैट्रो आती-जाती है। वहीं प्लेटफ़ॉर्म पर हर थोड़ी दूर पर घड़ियाँ लगी हुई थीं। आपसी बातचीत से तय हुआ कि पहली ट्रेन पर नहीं चढ़ेंगे। पहले सारी व्यवस्था देख समझ लेंगे फिर अगली में जाएँगे। बच्चों को यह विचार पसंद नहीं आया। उन्हें तो जाने की उतावली थी। ''सिस्टम क्या, गेट से अंदर जाना ही तो है।''

कुछ ही पलों में मैट्रो आ गई। न कोई आवाज़, न कोई हलचल, न धक्का-मुक्की। दरवाज़े स्वयं ही खुल गए। अंदर वाले बाहर आए। बाहर वाले अंदर गए। वर्दीधारी ने हमारी ओर इशारा किया। हमने बता दिया कि हम अगली से जाएँगे। दरवाज़े अपने-आप बंद हुए और चार बोगियों वाली मैट्रो चल दी।

ठीक आठ मिनट बाद यानी एक बजकर दस मिनट पर दूसरी भी आ गई तीस हजारी से। कितनी प्यारी सलोनी-सी मैट्रो। एक दम नहाई-धोई-सी चमचमाती हुई। न जाने किस साँचे में ढलकर बनाई गई होगी। हम सब मैट्रो में चढ़ गए। उत्सुकता से इधर-उधर देखते

हुए कुछ बैठ गए कुछ बोगी में लगे डंडों को पकड़कर खड़े हो गए। और मैट्रो चल पड़ी अपनी मंज़िल की ओर। सभी बच्चे बहुत खुश नज़र आ रहे थे।

पहला स्टेशन 'वैलकम' आया। उसके आने से पहले एक आवाज़ ने हमें आने वाले स्टेशन के बारे में बता दिया था। यह आवाज़ हमें आने वाले स्टेशनों की सूचना बराबर देती रही। बच्चे लपक कर दरवाज़े के समीप आ गए। वे उसका 'खुलना' देखना चाह रहे थे। बिना आवाज़ के दरवाज़ा खुला। जाने वाले गए। बहुत कम अंदर आए। अब कुछ जगह खाली हो गई थी। पूरी ट्रेन अच्छी तरह से दिख रही थी। अंदर ही अंदर चारों बोगियों में घूम-फिर सकते थे। दोनों ओर खिड़की से लगी हुई सीटें थी। सविता सीट के नीचे झुककर देख रही थी कि ठंडी हवा कहाँ से आ रही है। बाकी बच्चे अंदर ही अंदर दौड़ लगाने की योजना बना रहे थे। अनुमति न मिलने पर वे डंडों पर ही झूलने लगे। फाहद खिड़की के ऊपर आते जा रहे स्टेशनों के नाम पढ़ रहा था। वह सुशील को कोहनी मारकर बोला, ''नाम याद कर, मैडम पूछेंगी।'' सुशील बोला–''अपनी मर्ज़ी की चीज़ देखूँगा मैं तो।''

अधिकतर यात्रियों का ध्यान अपनी ओर पाकर हम सब चुपचाप सीट पर बैठ गए और शाहदरा की प्रतीक्षा करने लगे।

विद्यार्थी प्रगति पत्रक

शिक्षक/शिक्षिक विगत पाठों में छात्र की प्रगति को तालिका में अंकित करें। सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र सं०	सीखने के प्रतिफल	3.	2.	1.
		सक्षम हैं	सहायता से करता/करती हैं	सुधार की आवश्यकता है
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

लेखक सूची

1.	आम की कहानी	(चित्र-कथा)	देवाशीष देव
2.	तीन खरगोश	(चित्र-कथा)	निकोलाई रावलोन
3.	साथी के साथ	(चित्र-कथा)	निकोलाई रावलोन
4.	दो मित्र	(चित्र-कथा)	निकोलाई रावलोन
5.	मिठाई	(चित्र-कथा)	बरखरचना मंडल
6.	भालू ने खेली फुटबॉल	(कहानी)	हरदर्शन सहगल
7.	चकई के चकदुम	(कविता)	रमेश तैलंग
8.	मैं भी	(चित्र-कथा)	वी. सुतेयेव
9.	डरी चींटियाँ	(कहानी)	संकलित
10.	पकौड़ी	(कविता)	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
11.	चार चने	(कविता)	निरंकार देव सेवक
12.	क्या ये मेरा मामा है	(कविता)	लता पांडे
13.	बस के नीचे बाघ	(कहानी)	कृष्ण कुमार
14.	चींटी ने दौड़ लगाई	(कहानी)	संकलित
15.	बतूता का जूता	(कविता)	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
16.	ऊँट चला	(कविता)	प्रयाग शुक्ल
17.	बहुत हुआ	(कविता)	हरीश निगम
18.	ककड़ी-मकड़ी-लकड़ी	(कविता)	गुरबचन सिंह
19.	मैं कौन ?	(लेख)	शारदा कुमारी
20.	जामुन	(लेख)	अक्षय कुमार दीक्षित
21.	एक यात्रा ऐसा भी	(संस्मरण)	शारदा कुमारी एवं उषा शर्मा

सीखने के प्रतिफल

हिंदी कक्षा 2

बच्चे :-

1. सुनी गई कविता, कहानी आदि को अपनी भाषा में कहते हैं।
2. हिंदी की वर्णमाला के अक्षारों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
3. पढ़ने के लिए विविध युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे प्रिंट और चित्रों की मदद से अनुमान लगाना, शब्दों को पहचानना पूर्व अनुभवों व जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।
4. अपनी कल्पना से, अपने स्तर के अनुसार कविता, कहानी आदि कहते हैं और आगे बढ़ाते हैं।

सीखने के प्रतिफल

हिंदी कक्षा 3

बच्चे:-

1. कही जा रही बात, कविता, कहानी आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
2. लगभग 8-10 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं।
3. कहानी, कविता आदि को उचित हाव-भाव के साथ सुनते सुनाते हैं।
4. अपने आस-पास होने वाली घटनाओं और अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं और सवाल पूछते हैं।
5. अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों के अर्थ सन्दर्भ के अनुसार समझते हैं और उसे 3-4 वाक्यों में लिखने का प्रयास करते हैं।